डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 37 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 16 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

अयोध्या में राम मंदिर 2 साल में तैयार, दूधाखेड़ी माता मंदिर को 8 साल से इंतजार

गरोठ, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव चल रहे है, इसलिए सीधे किसी भी पार्टी पर आक्षेप नहीं लगाया जा सकता है। लेकिन, यहां जनचर्चा है कि तीन हजार करोड़ रूपए की लागत से बनने वाला अयोध्या का राम मंदिर केवल 2 वर्ष में बनकर तैयार हो गया है। वहीं क्षेत्र के लोगो की आस्था का प्रतिक और आरोग्यधाम दूधाखेड़ी माताजी मंदिर का नवनिर्माण 8 साल बाद भी अपने पुनरुद्वारा की बाट जोह रहा है।

हम बात कर रहे है गरोठ-भानपुरा के मध्य मुख्य मार्ग से करीब 5 किलोमीटर अंदर स्थित दूधाखेड़ी माताजी मंदिर की। जहां करीब 8 साल पूर्व मंदिर जिर्णोद्धार का कार्य शुरु किया गया था। लेकिन, इतना लंबा समय बीतने के बाद भी मंदिर का कार्य अपूर्ण है। ऐसी स्थिति में अब मंदिर स्थान पर बैठी देवी के रोद्र रूप का खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा, यह समय के गर्भ में है।

शाम छह बजते ही थम गई जीतेगा भई जीतेगा वाली आवाज

कल ईवीएम में मुखर होगा मौन, अंतिम दिन दोनों दलों ने झौंकी ताकत

मंदसौर, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। काफी दिनों से रैली और जीतेंगा भाई जीतेंगा, जैसी आवाज सुबह से लेकर देर शाम तक सुनने को मिल रहे थी। लेकिन, बुधवार शाम 6 बजते ही इस तरह की सभी आवाजे थम गई। इन सब गतिविधियों पर पूर्णविराम लग गया। प्रचार-प्रसार का शोर अब थम गया। अंतिम दिन चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने अपनी ताकत झोंकते हुए शक्ति प्रदर्शन किया। अब तक मौन रहे मतदाता कल 17 नवंबर को अपना निर्णय ईवीएम में कैद करा देंगे। यह ईवीएम 3 दिसंबर को मतदाताओ का निर्णय सार्वजनिक करेगी। उधर, जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा चारों विधानसभाओं में 10 लाख 34 हजार मतदाताओं के लिए पर्चियां बांटने का कार्य भी करीब करीब पूरा हो गया है। इसके बाद भी किसी मतदाता को पर्ची नहीं मिली है तो वह अपने इपिक नंबर के जरिए अपने पोलिंग बूथ की जानकारी ले सकते हैं। मतदान के लिए वोटर कार्ड के अलावा 12 तरह के पहचान पत्रों का इस्तेमाल किया सकता है।

घर-घर, द्वारे-द्वारे चल रहा प्रचार...

बुधवार शाम 6 बजते ही प्रचार प्रसार का शोर थम गया। इसके बाद प्रत्याशी अगले 48 घंटे सिर्फ घर-घर, द्वार-द्वारा ही प्रचार कर पा रहे है। प्रत्याशी प्रचार-प्रसार के अन्य किसी माध्यम का उपयोग नहीं कर पा रहे है। इसके साथ ही जिले की होटल, लाज, धर्मशालाओं में जो लोग बाहर से आकर ठहरे हुए हैं उन्हें शाम 6 बजे से पहले जिले की राजस्व सीमा से बाहर जाने के निर्देश जारी कर दिए गए थे। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने धारा 144 लगाते हुए इसके निर्देश जारी किए थे। इसके बाद अगर जिले में कहीं भी कोई बाहरी व्यक्ति रहते या घूमते पाया गया, तो उसके खिलाफ कानूनी कारवाई की जाएगी।

कल सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान...

मतदान कल 17 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा। मतदान शुरू होने के डेढ घंटे पहले सुबह 5:30 बजे से मॉक पोल की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया उम्मीदवार या उसके अधिकृत एजेंट की उपस्थिति में होगी। कोई अभ्यर्थी या उसका एजेंट सुबह 5:30 बजे मतदान केंद्र पर उपस्थित नहीं होता है, तो 15 मिनट तक उसका इंतजार किया जाएगा। इसके बाद मतदान दलों और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में मॉक पोल शुरू होगा। न्यूनतम 50 वोट से मॉक पोल किए जाने का प्रावधान है, जिसमें नोटा भी शामिल होगा। मॉक पोल के पूर्व बैलेट यूनिट एवं वीवीपीएटी को वीवीपीएटी कम्पार्टमेंट में रखा जाएगा। कंट्रोल यूनिट को पीठासीन अधिकारी की टेबल पर रखना होगा।

वोटर लिस्ट में नाम है तो पर्ची जरूरी नहीं...

अगर वोटर लिस्ट में नाम है और पर्ची या वोटर कार्ड नहीं है, तो भी मतदान किया जा सकता है। आयोग ने 12 वैकल्पिक दस्तावेजों को मान्य किया है। इनमें आधार, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र राज्य सरकार, पीएसयू सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक, डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय के स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी पहचान पत्र आदि शामिल है।

मतदान समाप्ति तक शराब दुकानें बंद...

15 नवंबर की शाम 6 बजे से जिले की सभी शराब दुकाने बंद कर दी गई। अब कल 17 नवंबर को मतदान समाप्ति तक सभी शराब दुकानें और बार बंद रहेंगे। इस दौरान जिले की परिसीमा में स्थित एवं संचालित सभी शराब दुकानों, रेस्टोरेंट बार, होटल बार आदि भी बंद रहेंगे। इसके साथ ही जिले की अंतरराज्यिय सीमा से लगती अन्य प्रदेश की शराब दुकाने व बार भी बंद रहेंगे।

जिले में विधानसभा चुनाव हेतु मतदान कल

1 हजार 133 मतदान केंद्रों पर 4 हजार 532 मतदान कर्मी करवाएंगे मतदान की प्रक्रिया पूर्ण

मंदसौर, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में विधानसभा चुनाव हेतु कल 17 नवंबर को मतदान होगा। मतदान कर्मियों के द्वारा यह प्रक्रिया पूर्ण करवाई जाएगी। इसके लिए मतदान कर्मियों का तीसरा रेंडमाइजेशन एनआईसी कक्ष में मल्हारगढ, मंदसौर, सुवासरा तथा गरोठ के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक एवं कलेक्टर, अपर कलेक्टर की उपस्थिति में किया गया।

मंदसौर के 276 मतदान केंद्रों के लिये 304 मतदान दल, मल्हारगढ के 281 मतदान केंद्रों के लिये 309 मतदान दल, सुवासरा के 305 मतदान केंद्रों के लिये 335 मतदान दल एवं गरोठ के 271 मतदान केंद्रों के लिये 298 मतदान दल रहेगे। इन मतदान दलों में रिर्जव दल भी शामिल है। इन सभी मतदान कर्मियों को आज गुरुवार सुबह 8 बजे मतदान सामग्री प्रदान की जाएगी। सभी मतदान दल अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के अधिकृत स्ट्रांग रूम से मतदान सामग्री लेकर अपने- अपने मतदान केंद्रो पर जाएगे। 1133 मतदान केंद्रों पर 4532 मतदान कर्मी मतदान की प्रक्रिया पूर्ण करवाएंगे। मतदान कर्मियों में रिजर्व सहित 4 हजार 984 मतदान कर्मी है। मंदसौर विधानसभा में 15 पिंक बूथ, मल्हारगढ में पांच, सुवासरा में 10 एवं गरोठ में 10 पिंक बूथ बनाए गए हैं।

24 बसे अधिगृहित, आज रवाना होंगे मतदान दल...

जिले की चार विधानसभाओं में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न करवाने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय की तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। आज 15 नवंबर (गुरुवार) को मंदसौर के पीजी कॉलेज ग्राउंड से मंदसौर और मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र में पोलिंग बूथ पर मतदान दलों को रवाना किया जाएगा। वहीं सुवासरा विधानसभा के लिए सीतामऊ और गरोठ के लिए गरोठ के शासकीय कॉलेज से मतदान दल रवाना होंगे। इसके साथ ही 17 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए माइक्रो ऑब्जर्वर भी रवाना होंगे। इनके लिए 24 बसों को अधिग्रहित किया गया है।

15 नवंबर को गरोठ से मंदसौर के लिए 2 बस, मल्हारगढ से सुवासरा 1 बस, गरोठ से मल्हारगढ 1 बस, भानपुरा से मल्हारगढ 1 बस, मंदसौर से गरोठ 12 बस, मल्हारगढ से गरोठ 4 बस की व्यवस्था की गई है। यह बसे दोपहर 2 से 4 बजे शहर के पीजी कॉलेज में मिलेगी। वही अन्य जगहों से रवाना होने वाली बसे एसडीएम कार्यालय से रवाना होगी।

475 वाहन रहेंगे निर्वाचन कार्य हेतु अनुबंधित...

नोडल अधिकारी वाहन श्री राकेश शर्मा द्वारा बताया गया मतदान दलों एवं माइक्रो आब्जर्वर को आने-जाने की व्यवस्था हेतु एवं मतदान सामग्री के लाने ले जाने हेतु कुल 475 वाहनों को अनुबंधित किया गया हैं। जिसमें से बस-253, जीप-153, ट्रक-12, ट्रेक्टर-20, पिकअप-30, एसयूवी-7 कुल 475 वाहन अनुबंधित रहेंगे।

राकेश्यो तो लापर है..!

इधर विधानसभा चुनाव चल रहे है जो अपने अंतिम चरण में है। उधर गांव-गांव में एक ही चर्चा आम है कि राजनीति अपनी जगा राखो और वास्तविक स्थिति अपणी जगा राखो। पर, फिर भी एक बात तो है कि अपणो राकेश्यो तो लापर है। अब यह समझ नहीं आ रहा कि कौन सा राकेश लापर है और ग्रामीणो को राकेश्या के लापर होने या ना होने से क्या फर्क पड़ने वाला है। लेकिन, अब ग्रामीणो के दिमाग में अगर यह बात है तो उन्हें समझाए कौन? और किसलिए समझाए? क्योंकि, कोई भी ग्रामीण यह भी बताने को तैयार नहीं है कि लापर को समझाईश देकर ठीक कराएं या नहीं?

जातिवाद की चपेट में सुवासरा

मंदसौर, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के दौरान सुवासरा विधानसभा क्षेत्र में जातिवाद का जहर घुलता नजर आ रहा है। वैसे तो इस क्षेत्र में सौंधिया, गुर्जर, बंजारा, पाटीदार सहित कई समाज का बोलबाला है जो पिछड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व करते है। लेकिन, इस बार एक समाज विशेष का रूझान एक प्रत्याशी की तरफ आने से यह माना जा रहा है कि अभी तक जातिवाद को दरकिनार करते रहे सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के लोग इस बार जातिवाद के चलते वोटिंग कर सकते है।

वैसे यह भी कहा जाता है कि कस्बो को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्र में इस समाज के लोगो द्वारा कई बार एक तरफा वोटिंग की गई है। लेकिन, इसका उजला पक्ष यह रहा है कि शेष सभी समाज दूसरे पक्ष की तरफ चला जाता है। जिसका लाभ प्रतिद्वंद्वि को मिलता रहा है। देखना होगा कि इस बार आखिर ऊंट किस करवट बैठता है?

राजनीति की तरह उलझ रहा मौसम का गणित ज्ञान

इस बार सर्दी के दिनों में आ सकती है कमी

मंदसौर, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रकृति से खिलवाड़ और प्रदूषण से मौसम प्रभावित हो रहा है। ठंड के मौसम का गणित ज्ञान बिगड़ रहा है। हर साल ठंड के दिन बढते हुए दिखते रहे हैं। पिछले 3 साल से लगातार 30 से ज्यादा दिन तक तापमान 10 डिग्री या उससे कम रहा है। सबसे ज्यादा 2021-22 में 35 दिन से ज्यादा ठंडे रहे थे। लेकिन, इस बार अलनीनो का असर दिख सकता है। इसके कारण ठंड के दिनों में भी कमी देखने को मिल सकती है? यह कहा जा सकती है कि राजनीतिक गर्मी ने ठंड के मौसम का गणित ज्ञान बिगाड़ दिया है।

वर्तमान में नवंबर का मध्य आ गया है। यह ठंडक भरे दिनों की शुरुआत है। इस समय पारा कम होने लग जाता है। नवंबर के आखिरी तक तापमान भी 10 डिग्री के आसपास आ जाता है। बता दें कि पिछले चार साल से ठंड भी बढ़ रही है। 2019-20 में 29 दिन तक तापमान 10 डिग्री या उससे कम रहा था। इसके बाद से ही लगातार 30 से ज्यादा दिन ठंडे रहे है। 2020-21 में 32 दिन ठंडे रहे थे, 2021-22 में सबसे ज्यादा 37 दिन ठंडे रहे। वहीं, पिछले साल यानी 2022-23 में 30 दिन ठंडे रहे थे। इस साल ठंडक की शुरुआत तो हो गई है। लेकिन, तेज ठंडक भरे दिन कम होने की ही संभावना है। अलनीनो इफेक्ट के कारण ऐसा हो सकता है।

1 डिग्री कम हो गया रात का तापमान...

पिछले 48 घंटे में रात के तापमान में 1 डिग्री की कमी हो गई है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री व न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री दर्ज किया गया था। सोमवार के मुकाबले अधिकतम तापमान में 0.2 डिग्री की बढ्त तो न्यूनतम तापमान में 0.3 डिग्री की कमी हो गई। वहीं रविवार के मुकाबले अधिकतम तापमान में बदलाव नहीं हुआ लेकिन न्यूनतम तापमान 1 डिग्री कम हो गया है। रविवार को अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री व न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री रहा था।

चार डिग्री तक पहुंचता है तापमान...

शहर में कड़ाके की ठंड रहती है। पारा 4 डिग्री तक पहुंचता है। ऐसा दिसंबर के आखिरी सप्ताह या जनवरी के पहले-दूसरे सप्ताह तक होता है। हमारे यहां ठंड वेस्टर्न डिस्टरबेंस के साथ ही उत्तरी हवा और उसी दौरान पहाड़ों पर बर्फबारी के दौरान ज्यादा जोर पकड़ती है। ठंड के दौरान होने वाली बारिश का भी असर होता है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध

प्रिंट मीडिया में एमसीएमसी के प्रमाणन के बाद विज्ञापन जारी होंगे

मंदसौर, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने प्रेस से चर्चा करते हुए बताया कि 48 घंटे की अवधि के दौरान प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर राजनीतिक अभ्यर्थियों के प्रचार प्रसार पर पूर्णत प्रतिबंध रहेगा। लेकिन, प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापन एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणन के पश्चात जारी किए जा सकते हैं। इसके लिए एमसीएमसी समिति को विज्ञापन प्रकाशन के तीन दिन पूर्व आवेदन देना होगा। वहीं गैर राजनीतिक दलों को 7 दिन पूर्व आवेदन देना होगा।

उक्त अवधि में सोशल मीडिया पर जिसमे फेसबुक, यूट्यूब आदि के माध्यम से लाइव दिखाना प्रतिबंध रहेगा। वहीं दूसरी तरफ अभ्यर्थी विशेष का इंटरव्यू भी नहीं चलेगा। 48 घंटे की अवधि के

दौरान प्रचार की अवधि समाप्त हो जाने पश्चात निर्वाचन क्षेत्र के भीतर कोई प्रचार नहीं किया जा सकेगा। निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से लाए गए राजनीतिक पदाधिकारी उस निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं है तो निर्वाचन क्षेत्र में उपस्थित नहीं रहेंगे। अर्थात इस अवधि के तत्काल पूर्व जिले से बाहर जाना होगा। पांच या पांच से अधिक व्यक्ति सार्वजनिक स्थल पर एकत्रित न हो एवं नहीं एक साथ भ्रमण करेंगे। इस दौरान घर-घर संपर्क के माध्यम से प्रचार में छूट रहेगी। इस अवधि में आमसभा पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। राजनीतिक दलों द्वारा प्रचार प्रसार में लाउडस्पीकर के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उक्त अवधि के दौरान लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर आरपी एक्ट की धारा 126 (1) के तहत कार्यवाही की जाएगी।

सरकार ने लिया मेडिकल पर संज्ञान, 33 दवाओं के रेट फिक्स

मंदसौर, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मरीजों को मनमाने रेट से राहत देने के लिए सरकार ने 33 दवाओं के रेट फिक्स कर दिए गए हैं। राष्ट्रीय औषधि मूल्य नियंत्रण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने इन नई कॉम्बीनेशन दवाओं को मूल्य नियंत्रण के दायरे में लाने की घोषणा करते हुए यह कार्रवाई की है। जिसका असर मंदसौर सहित प्रदेश में नजर आने में 20 से 25 दिन का समय लगेगा। ऐसा इसलिए है, क्योंकि इस दौरान कंपनियों द्वारा नए बैच मार्केट में उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही पुराने बैच की दवाओं की नए सिरे से लेबलिंग की प्रक्रिया होगी।

रक्तचाप, मधुमेह, कॉलेस्ट्रॉल समेत सामान्य बीमारियों की दवाएं शामिल...

बैक्टीरियल इंफेक्शन, रक्तचाप, मधुमेह, दर्द, कॉलेस्ट्रॉल समेत सामान्य बीमारियों की दवाओं को इसमें शामिल किया गया है। खास बात यह है कि जिन दवाओं के रेट फिक्स किए गए हैं। उनमें कई एक जैसी दवाएं हैं। इनमें बस कंपनी का अंतर है। अधिकारियों के अनुसार इसका मकसद मरीजों पर दवाओं के पड़ रहे अतिरिक्त खर्च पर नकेल कसना है। जिससे कोई विक्रेता या डॉक्टर कमीशन के लिए किसी खास दवा को मरीजों को ना दे सके।

भारत चौथी बार वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में

न्यूजीलैंड को 70 रन से हराया, विराट और अय्यर के शतक, शमी को 7 विकेट

मुम्बई, 15 नवम्बर। भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 1983, 2003 और 2011 में इस टूर्नामेंट फाइनल में पहुंची थी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट 397 रन बनाए। विराट कोहली ने करियर की 50वीं वनडे सेंचुरी जमाते हुए 117 रन की पारी खेली। श्रेयस अय्यर ने 105 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.5 ओवर में 327 रन पर ऑलआउट हो गई। डेरिल मिचेल ने 134 रन बनाए। मोहम्मद शमी ने 7 विकेट लिए। वे शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच रहे। पावरप्ले के शुरुआती ओवर में कीवी ओपनर्स ने संभलकर शॉट खेले। 5 ओवर में टीम का स्कोर बिना नुकसान के 30 रन था। यहां मोहम्मद शमी ने अपनी पहली बॉल पर सफलता हासिल की और कॉन्वे को चलता किया। इतना ही नहीं, शमी ने 8वें ओवर की चौथी बॉल पर रचिन रविद्र को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच कराया।

भारत ने दिया 398 रन का टारगेट, कोहली-अय्यर के शतक- टीम इंडिया ने वानखेड़े मैदान पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट पर 397 रन बनाए। यह वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबले में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले, यह रिकॉर्ड 393 रन का था। जो न्यूजीलैंड ने 2015 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में वेस्टइंडीज के खिलाफ वेलिंग्टन में बनाया था। विराट कोहली ने 113 बॉल 117 रन की पारी खेली। उन्होंने वनडे... शेष पेज 4 पर

मतदान के पहले मतदाता की शांति वातावरण में संशय फैला रही...!

मंदसौर/उज्जैन, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कल मतदान होने वाला है, मतदाता का रुख किसी प्रत्याशी या पार्टी के प्रति है ऐसा कुछ भी सतह पर नजर नहीं आ रहा है। कार्यकर्ता और दलों के नेता नुक्कड़ो पर तो अपने पक्ष में बयान हांक रहे हैं, पर अंदर से असलियत जान रहे हैं। वे सिर्फ अपनों से शेयर भी कर रहे हैं। सभी दलों के प्रत्याशी भी फिल्म कलाकारों की तरह चेहरे पर ऐसे भाव लाने का प्रयास कर रहे हैं कि बेहतर स्थिति में है, पर मतदाताओं के शांत भावों ने सभी को अंदर तक झकझोर रखा है। जिन्हें जीत की भरपूर संभावना थी, वह भी भीतर से सहमे नजर आ रहे हैं। प्रत्याशियों से लेकर उनके करीबियों तक सभी को सब कुछ नजर आ रहा है पर सतह पर प्रकट नहीं कर सकते हैं।

दलीय स्तर पर भाजपा प्रत्याशी के लिए तो अदृश्य ताकतों ने 24 घंटे पहले से काम करना शुरू कर दिया है और व्यक्तिगत तरीके से अप्रोच भी किया जा रहा है। भाजपा प्रत्याशियों के नाम देखकर साफ कहा जा सकता है कि पिछड़े वर्ग को हाशिए पर किया गया है। इसी कमजोरी को नुकसान पहुंचाने से पहले ही क्षेत्र के पिछड़े वर्ग के नेता और मतदाताओं तक रूबरू पहुंच बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह सभी जानते हैं कि संघ की कार्य प्रणाली घर पहुंच सेवा की तरह काम करती है। पहले फोन पर मनाया जाना शुरू हुआ और बीते 24 घंटे में जिस वर्ग जाति का जिस मोहल्ले में पिछड़े वर्ग का मतदाता है, उसके घर तक पहुंच बना ली गई है। इसी वर्ग के प्रभावशाली सामाजिक कार्यकर्ताओं को सिर्फ एक ही काम सौंपा गया है कि किसी भी हालत में एक भी मतदाता को नजर अंदाज न किया जाए, फिर चाहे वह दूसरे राजनीतिक दल का कार्यकर्ता ही क्यों ना हो। सिर्फ एक उद्देश्य की सतही तौर पर प्रतिद्वंदी इस मुगालते में रहे कि नाराज मत हमें मिल रहे हैं !

चन्द्रमोहन भगत

उधर कांग्रेस प्रत्याशी को कांग्रेसियों ने ही लगातार पहले दिन से यह वातावरण बताया है कि इस बार कांग्रेस की सरकार बन रही है। भाजपा प्रत्याशी घोषित होने के पहले से ही यह भी फैलाया गया कि भाजपा ने फिर से यशपाल सिसोदिया को प्रत्याशी बनाया तो भाजपा वाले ही हरवाएंगे ! प्रतिस्पर्धियों के अलावा कुछ मतदाताओं कार्यकर्ताओं और संगठन पदाधिकारी में भी इस बात की नाराजी रही होगी कि सिर्फ यशपाल ही विधायक बन सकता है और कोई नहीं? यह प्रसंग शुद्ध रूप से भाजपा संगठन का अपना निजी है और संगठन ऐसे प्रसंगों को निजी स्तर पर आसानी से समय रहते समेट लेता है और सभी को काम पर लगा भी देता है।

मान ले की शत प्रतिशत डैमेज कंट्रोल नहीं हुआ होगा, तब भी ऐसे डैमेज से कांग्रेस को बहुत लाभ मिल जाएगा। ऐसा वातावरण भी नहीं बन पाया है। यह स्पष्ट नजर आया है कि फ्रेश युवा और अपने सरपंची कार्यकाल के कारण विपिन जैन को जनमत का रिस्पांस मिला है। विपिन के साथ कांग्रेसियों की जो टीम लगी थी, उसने भी मिलजुल कर काम किया है। प्रदेश की शिवराज सरकार के खिलाफ उभरी हुई नाराजगी ने भी विपिन जैन को उछाल दिया है। इसलिए चुनाव में दिलचस्प स्पर्धा मानी जा रही है। पर अब युद्ध के अंतिम दौर में जो अदृश्य अस्त्र-शस्त्र और ब्रह्मास्त्र सिर्फ भाजपा की ओर से चल रहे हैं। इस समय कांग्रेस प्रत्याशी की टीम बहुत कमजोर नजर आ रही है। इसका कारण सिर्फ समर्पण और ईमानदारी का अभाव है, जो कांग्रेस को हमेशा ही ऐन वक्त पर नुकसान पहुंचाता आया है...।

विचार-मंथन

पाकिस्तान की फितरत ! गोलीबारी साफ जाहिर कर रही मंशा

पाकिस्तान ने सीमा पर अपनी जिस तरह की हरकतें जारी रखी हुई हैं, उससे उसकी मंशा साफ नजर आ रही है। हालांकि यह एक तरह से उसकी फितरत बन गई है कि वह नाहक ही भारत को उकसाने के लिए कभी भारतीय सीमा में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वालों को संरक्षण देता है तो कभी घुसपैठ करने में मदद करता है।भारत आमतौर पर ऐसी समस्या से अपने स्तर पर निपटता है और आतंकवाद का सामना करता है। लेकिन भारत की इसी सहनशीलता का फायदा पाकिस्तान उठाने की कोशिश करता है। अब उसका दुस्साहस इस कदर बढ़ चुका है कि बिना किसी उकसावे के वह भारतीय सीमा में नाहक ही गोलीबारी करना शुरू कर देता है। यानी एक तरह से युद्ध जैसे हालात पैदा करने की कोशिश करता है। बुधवार को देर रात जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी रेंजरों ने बेवजह ही गोलीबारी शुरू कर दी। इसका सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

मगर पाकिस्तानी गोलीबारी की जद में आने की वजह से एक हेड कांस्टेबल की मौत हो गई। यह कोई पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने इस तरह की बेलगाम और अराजक हरकत की हो। फिलहाल द्विपक्षीय सहमति के बावजूद पिछले चौबीस दिनों में यह तीसरी बार है जब अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से नियमों को ताक पर रख कर युद्ध विराम का उगंघन किया गया। गौरतलब है कि 25 फरवरी 2021 को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर हस्ताक्षर किया गया था।

तब से बिना किसी उकसावे के पाकिस्तान की सीमा के भीतर से भारत की ओर नाहक गोलीबारी की यह छठी घटना है। हाल ही में जम्मू के अरनिया और सुचेतगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान ने करीब सात घंटे तक लगातार गोलीबारी की थी। तब भी बीएसएफ के जवानों ने उसका मुंहतोड़ जवाब दिया था। मगर बार-बार मुंह की खाने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आए दिन बुरी तरह फजीहत होने के बावजूद पाकिस्तान अपनी आदत से बाज आने को तैयार नहीं है। दुनिया के ताकतवर देशों के सामने और संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर वह भारत पर अंगुली उठाता रहता है, मगर पड़ोसी देशों के साथ संबंधों और सीमा पर स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों का खयाल रखना उसे कभी जरूरी नहीं लगता। हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तान आए दिन दुनिया भर में खुद को एक पीड़ित देश के रूप पेश करता रहता है और भारत पर निराधार आरोप लगाता है, मगर सीमा पर नाहक गोलीबारी की लगातार घटनाओं के बावजूद न तो उसे किसी को इसका कारण बताने की जरूरत महसूस होती है और न ही वह इस बारे में कोई सफाई देता है।

सवाल है कि अगर बिना किसी वजह के पाकिस्तान की ओर से ऐसी लगातार हरकतों के बाद भारत उसे उकसावे की कार्रवाई बताए और इस पर उचित प्रतिक्रिया दे, तब इसे कैसे देखा जाएगा ! मगर भारत अपनी ओर से अधिकतम स्तर तक धीरज कायम रखता है और पाकिस्तान के चरित्र और उसकी हरकतों के बारे में संयुक्त राष्ट्र को बताता है।

यह एक जगजाहिर तथ्य है कि कई आतंकी संगठन पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। अब घोषित तौर पर युद्ध विराम को धता बताते हुए भारत की ओर नाहक गोलीबारी करके क्या पाकिस्तान आतंकवादी संगठनों के समांतर ही दिखना चाहता है? यह बेवजह नहीं है कि पाकिस्तान की शिकायतों को अब आमतौर पर निराधार माना जाता है और शायद ही कोई देश उसकी बात को गंभीरता से लेने को तैयार है।

हर साल खराब हवा और खानापूर्ति

-सोपान जोशी, विज्ञान और पर्यावरण पत्रकार

दिगी में सांस लेना दूभर हो गया है। सर्वो%च न्यायालय ने राजधानी की दूषित हवा का मामला अपनी अगुवाई में सुनना शुरू किया है। पर्यावरण की बातें किसी भी राजनीतिक दल के लिए चुनावी मुद्दा नहीं होतीं, इसलिए वे इनको टालने की कोशिश करते हैं, किंतु इस बार बाजी पलट चुकी है। न्यायतंत्र की सबसे शक्तिशाली पीठ ने तय कर लिया है कि साफ हवा केवल सरकारी नीति का मसला नहीं है, यह बुनियादी अधिकारों का मामला भी है। न्यायालय को यह ताकत मिली है पर्यावरण संरक्षण कानून (1986) से। न्यायाधीश आए दिन सरकारी अफसरों को फटकार लगा रहे हैं, बार-बार यह जता रहे हैं कि वायु प्रदूषण रोकने के लिए कारगर कदम उठाने ही पड़ेंगे। अब सत्ता-तंत्र को वे काम करने पड़ेंगे, जिनकी सलाह स्वतंत्र विशेषज्ञ दे रहे हैं।

यह बात सन 1996 से 2001 के बीच की है। न्यायालय में यह मामला सालों-साल चला। इससे दिगी में अपूर्व परिवर्तन हुए। डीजल से चलने वाली बसों और सार्वजनिक वाहनों को बंद किया गया। सार्वजनिक यातायात को सीएनजी पर डाला गया। दिगी में मेट्रो रेल बनाने में तेजी आई। बस कॉरिडोर बने। कई दूसरे बदलाव भी किए गए। दिगी की हवा साल 2000-2010 के दशक में बेहतर हुई। इस प्रयोग को खूब प्रशंसा भी मिली।

मगर अगले दशक में कहानी वापस वहीं पहुंच गई। हाल ही में शीर्ष अदालत ने सरकारी महकमों को फिर फटकार लगाई है। इतना खर्च उठाकर सार्वजनिक यातायात को बदलने के बाद हम कुछ वैसी ही जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं, जैसी आबोहवा में 25 साल पहले लेते थे। हां, एक बड़ा अंतर आया है। पंजाब व हरियाणा जैसे रा%यों में फसल-कटाई के बाद जो पुआल या पराली बचती है, वह पहले पशुओं के चारे में काम आती थी, पर आज किसानों को उतने मवेशियों की जरूरत नहीं है, क्योंकि खेती के मशीनीकरण को बढ़ावा मिला है। आज गाय-बैल और सांड़ राजमार्गों और सड़कों के किनारे कचरे में मुंह मारते फिरते हैं। मवेशियों के चारे की कीमतें बढ़ चुकी हैं, पर किसानों के पास इतना धन नहीं है कि पुआल की हाथ से कटाई करके चारा बना सकें।

फसल कटाई का काम आज कम्बाइंड हारवेस्टर करते हैं। हमारे यहां बेचे जाने वाले हारवेस्टर जिस बनावट के हैं, उनसे फसल की बालियां ऊपर से कटती हैं। नतीजतन, लंबी संटी का पुआल नीचे छूट जाता है। किसानों के लिए लागत कम रखने का आसान तरीका यही है कि इसे जला दें। अब तक इस पर ध्यान नहीं गया है कि हारवेस्टर की बनावट में ऐसे बदलाव किए जाएं, जो फसल को नीचे से काट सकें।

हां, प्रदूषण के स्रोत को लेकर नाना प्रकार की छींटाकशी जरूर हो रही है। अपने आप को किसानों का हितैषी बताने वाले कहते हैं कि पड़ोसी रा%यों में पुआल जलाने से दिगी के प्रदूषण में बहुत हल्की बढ़ोतरी होती है, इसके असली कारण कुछ और हैं। किसी को बारूदी आतिशबाजी में मासूमियत दिखती है, धार्मिक उत्सवप्रियता भी ! ऐसी बहसबाजी आसान है। जबकि, यह सभी जानते हैं कि मौसमी बुखार की तरह यह समस्या अगले साल भी आएगी। ऐसी ही बहसें फिर से होंगी, क्योंकि असली सवाल पर हमारा ध्यान जाता ही नहीं है। हम इस समस्या का निदान और हल क्यों नहीं निकाल पाते? इतने वर्षों में इतने सारे साधन लगाने और कष्ट उठाने के बाद भी? याद रखिए, राजधानी से अधिक साधन कहीं नहीं हैं, यहां से %यादा ध्यान किसी दूसरी जगह पर नहीं जाता। अगर दिगी में इसका उपाय नहीं है, तो दूसरे शहर क्या करेंगे? विश्व के सबसे प्रदूषित नगरों में भारत के शहर शीर्ष स्थानों पर आते हैं।

कारण? पर्यावरण से जुड़े सभी मामले बेहद पेचीदा होते हैं। हमारा कुल ज्ञान हमारे आस-पास से आता है, लोगों पर आधारित होता है। तभी तो जिसकी जैसी मान्यता हो, वह प्रदूषण का ठीकरा उसी हिसाब से फोड़ता है। पर्यावरण की समस्याएं हमारे ज्ञान ही नहीं, किस्से-कहानियों की कल्पनाओं से भी बड़ी हैं। इन्हें जानने-समझने में ढेर सारा धीरज लगता है, खूब सारी साधना लगती है, अपने ज्ञान-अज्ञान के प्रति विनम्रता चाहिए होती है।

राजनीति के लिए यह सब बेकार की बातें हैं। तभी दुनिया भर की सरकारें पर्यावरण को बिगड़ने से रोकने में रुचि नहीं रखतीं। वे केवल खानापूर्ति करती हैं। राजनेताओं को यह ठीक से पता है कि पर्यावरण की समस्याओं को सुलझाने के लिए क्या करना जरूरी है, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि अगला चुनाव कैसे जीतें? राजनीतिक दलों का अस्तित्व चुनाव से है। उनके लिए यह भुलाए रहना बड़ा आसान है कि हम सभी का अस्तित्व पर्यावरण से ही है। राजनीति की दृष्टि संकीर्ण और अल्पकालिक होती है, चाहे वह नैतिकता की कितनी ही बड़ी-बड़ी बातें क्यों न करे।

पर्यावरण की समस्याएं दशकों में, शताब्दियों में बनती हैं। उनको ठीक करने के लिए उतनी ही लंबी साधना करनी पड़ती है, अपने ज्ञान की सीमा के प्रति विनम्रता बरतनी पड़ती है। इस दौरान बहुत से चुनाव आ जाते हैं। हर चुनाव के लिए औद्योगिक विकास के कई वादे हर दल को करने पड़ते हैं। चुनाव का चंदा पाने के लिए उद्योगों के एहसान उठाने पड़ते हैं। तभी तो लोगों की पाई-पाई का हिसाब रखने वाली व्यवस्था न्यायालय के सामने यह कहती है कि नागरिकों को राजनीतिक चंदे का स्रोत जानने का अधिकार नहीं है। जीतने वाले दलों को चंदा देने वाले उद्योगों को प्राकृतिक संसाधन सौंपने ही पड़ते हैं, चाहे उससे समाज और पर्यावरण का कितना भी नुकसान क्यों न हो?

हमारे लोकतंत्र का सच यही है। इसे न तो कोई नीति बदल सकती है, और न बड़े से बड़ा अदालती निर्देश। इसे बदलने के लिए जो जोखिम उठाने पड़ेंगे, उसके लिए हमारी राजनीति तैयार नहीं है। हम तैयार नहीं हैं। जहरीली हवा में सांस लेना कितना भी खतरनाक क्यों न हो, हमारी राजनीति के लिए यह एक अल्पकालिक मौसमी असुविधा भर है। सुविधाओं के विकास की छोटी-सी कीमत ! जब तक हम यह कीमत चुकाने के लिए तैयार रहेंगे, तब तक हर मौसम की पर्यावरण की त्रासदी चलती रहेगी। बाढ़, सूखा, भूस्खलन, लू, शीत लहर, वायु प्रदूषण... यह हमारे गलत आर्थिक विकास का नया गलु चक्र है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या प्रशांत महासागर क्षेत्र के देशों में भी चीन के प्रति नाराजगी पनप रही है?

पापुआ न्यू गिनी क्षेत्र में चीन का प्रमुख कूटनीतिक और व्यापार साझेदार है। प्रधानमंत्री जेम्स मरापे ने हाल ही में चीन की यात्रा की, जहां उन्होंने और चीन के नेताओं ने अपने प्रगाढ़ होते आर्थिक व सुरक्षा संबंधों पर चर्चा की। इस दौरान साझा मुद्रा व्यापार समझौते को लेकर भी चर्चा हुई।

चीन ने हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में तेजी से अपने कदम जमाए हैं क्योंकि वह अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ पारंपरिक रूप से मजबूत संबंध रखने वाले कई देशों पर अपना प्रभाव छोड़ने और उन्हें चुनौती पेश करने के प्रयास कर रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रशांत महासागर के आसपास पड़ने वाले देशों के लोग क्षेत्र में चीन के हितों के विस्तार और गतिविधियों के बारे में क्या सोचते हैं। यह पता लगाने के लिए हाल ही में दो देशों पापुआ न्यू गिनी और सोलोमन द्वीपसमूह में सर्वे किए गये, जहां चीन ने हाल के वर्षों में अपना प्रभाव बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। हम आपको बता दें कि दोनों देशों ने 'सभी के मित्र और किसी से शत्रुता नहीं' की विदेश नीति अपनाई है।

पापुआ न्यू गिनी क्षेत्र में चीन का प्रमुख कूटनीतिक और व्यापार साझेदार है। प्रधानमंत्री जेम्स मरापे ने हाल ही में चीन की यात्रा की, जहां उन्होंने और चीन के नेताओं ने अपने प्रगाढ़ होते आर्थिक व सुरक्षा संबंधों पर चर्चा की। इस दौरान साझा मुद्रा व्यापार समझौते को लेकर भी चर्चा हुई। इस बीच, सोलोमन द्वीपसमूह ने ताइवान को दी गई राजनयिक मान्यता सितंबर 2019 में रद्द कर दी, जिसके बाद से चीन के साथ उसके संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं। चीन ने प्रधानमंत्री एम सोगावरे की सरकार के साथ व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य, मत्स्य पालन और पुलिस आदि को लेकर सहयोग बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किए हैं।

पहले सर्वेक्षण में पापुआ न्यू गिनी में चीन के स्वामित्व वाली रामू नीको परियोजना की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारियों का आकलन उन लोगों की नजर से करने की कोशिश की गई जो फिलहाल मदांग प्रांत में रह रहे हैं या रह चुके हैं, जहां यह परियोजना है। हमने कुल मिलाकर 100 लोगों की प्रतिक्रिया ली, जिनमें मुख्यतः डिवाइन वर्ड यूनिवर्सिटी के वर्तमान और पूर्व छात्र एवं कर्मचारी शामिल थे। वर्ष 2019 में, निकेल खदान संचालक को गलती से प्रांत की एक खाड़ी में लगभग 200,000 लीटर जहरीला घोल छोड़ने के लिए माफी मांगनी पड़ी थी। उत्तरदाताओं में से यादातर (98 प्रतिशत) ने कहा कि वे पर्यावरण प्रदूषण के बारे में चिंतित हैं, जबकि लगभग 60 प्रतिशत लोगों ने कहा कि खदान परियोजना से पापुआ न्यू गिनी को कोई लाभ नहीं हुआ है।

लोगों से सवाल किया गया कि क्या वह चीन के स्वामित्व वाली कंपनी रामू निको को परियोजना की मंजूरी देने के पिछली सरकार के फैसले का समर्थन करते हैं, तो 70 प्रतिशत ने 'नहीं' जवाब दिया। हालांकि, खनन पट्टे के क्षेत्र में रहने वाले लोग 'रॉयल्टी' या सहायक कारोबार के रूप में सीधे वित्तीय लाभ के कारण परियोजना के बारे में अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। 72 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे पापुआ न्यू गिनी सरकार द्वारा चीन के साथ संबंध प्रगाढ़ बनाने का समर्थन करते हैं।

दूसरे सर्वेक्षण में पापुआ न्यू गिनी के 78 छात्रों से बात की गई, जिन्हें चीन सरकार की ओर से छात्रवृत्ति मिली थी। अधिकांश उत्तरदाताओं (87 प्रतिशत) ने कहा कि वे अपने दोस्तों को इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम के बारे में बताएंगे। चीन में पढ़ाई करने से देश के बारे में उनकी धारणा भी बदलती दिखाई दी है। इन छात्रों के चीन जाने से पहले, उन्हें पश्चिमी देशों की राजनीतिक प्रणालियों की तुलना में चीनी राजनीतिक प्रणाली को एक से पांच के पैमाने पर (बहुत कम प्रभाव से बहुत उ%च प्रभाव तक) स्कोर करने के लिए कहा गया था। छात्रों ने विदेश में अध्ययन से पहले चीन की प्रणाली को पांच में से 3.45 का औसत स्कोर दिया। कार्यक्रम शुरू करने और कुछ समय तक चीन में रहने के बाद, यह औसत स्कोर बढ़कर 4.01 हो गया।

तीसरे सर्वेक्षण के लिए, सोलोमन नेशनल यूनिवर्सिटी के 93 छात्रों से चीन और अमेरिका व ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के बारे में उनके विचारों पर चर्चा की गयी। उत्तरदाताओं में से दो-तिहाई चीन और सोलोमन द्वीप के बीच घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों के समर्थक थे, लेकिन अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंधों के लिए समर्थन और भी अधिक (76 प्रतिशत) था। सोलोमन द्वीप में लगभग 80 प्रतिशत छात्रों ने चीन की 'बेल्ट और रोड' परियोजनाओं का भी समर्थन किया। एक प्रतिभागी ने लिखा, 'वे हमारी सड़कों के निर्माण और रखरखाव में बहुत सहायक हैं।' हालांकि करीब 20 प्रतिशत प्रतिभागियों का दृष्टिकोण अधिक नकारात्मक था। उदाहरण के लिए, एक छात्र ने कहा, 'उनका उद्देश्य हमारी सरकार के लिए गण जोखिम पैदा करना है और इससे चीन का हमारे संपूर्ण संसाधनों पर नियंत्रण हो जाएगा।'

विकराल होने लगा नफरत का बाजार

इजरायल आजकल फलस्तीनियों के खिलाफ दुश्मनी की आग भड़काते चला जा रहा है, तो दूसरी ओर, फलस्तीन में कई लोगों का गुस्सा इजरायल को दुनिया के नक्शे से मिटा देना चाहता है। यह दुनिया में बढ़ती नफरत की एक मिसाल भर है। यहूदियों के प्रति कुछ मुस्लिमों की घृणा देखिए या पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुस्लिम विरोधी शर्मनाक टिप्पणी, दुखद आश्चर्य होता है। कहां से आ रही है ऐसी नफरत? कबीर कहते हैं- सब हाड़, चाम, रक्त, मांस से बने हैं, फिर अंतर कैसा? यही अंतर, बाद में परायेपन या अन्यता और विभाजन में बदल जाता है, यह अपने विकृत रूप में 'नफरत' एवं घृणा को पैदा करता है। प्रसिद्ध समाज चिंतक अंतोनियो ग्राम्शी ने भी परायेपन के बोध को विकृत परिणति के रूप में नफरत में बदलते लक्षित किया था। वैसे, नफरत कभी भी समाज का मूल भाव नहीं रहा है, यह एक प्रकार से अवलंबित भाव है। तात्पर्य यह कि मूल मानवीय भाव प्रेम है। अगर किसी से प्रेम नहीं है, तो उसके प्रति घृणा के भाव के लिए स्थान बनना शुरू हो जाता है। जब हमारा 'स्व' सीमित, स्वार्थी और कट्टर होता जाता है, तब 'गैर' के लिए नफरत पैदा करता है। इसलिए समाज में प्यार और नफरत एक अंतर्विरोधी सहकार के रूप में रहते हैं, क्योंकि जहां किसी के भी प्रति प्रेम की कमी होगी, उसकी छोटी-बड़ी कमियों से ही हममें नफरत का भाव उपजने लगता है। हमारी दुनिया अनेक समूहों, समाजों, संस्कृतियों व धार्मिक, भाषायी समूहों के बीच सकारात्मक सहभाव से बनी है, किंतु आज इन सामाजिक-सांस्कृतिक अंतरों और अस्मिता के विभिन्न रूपों के बीच नफरत उपजती जा रही है। यह नफरत कई तरह के सामाजिक-राजनीतिक टकरावों को जन्म दे रही है। आतंकवाद का मूल भाव तो नफरत पर ही टिका है। साथ ही, 'हमास' और 'इजरायल' के बीच मर्मांतक संघर्ष का आधार भी आज दो अस्मिताओं के बीच उपज रहा नफरत का भाव ही है। जैसा कि हम जानते हैं, यह दुनिया हजारों वर्षों में हुए या हो रहे विस्थापनों और मानवीय समूहों की एक से दूसरी जगह आवाजाही व बसावट से ही बनी है। ऐसे में, मूल निवासी और प्रवासी समूहों के बीच भिन्नता एवं अन्यता का बोध विकसित होता जाता है। यह कई अध्ययनों से साबित हो चुका है कि बाहर से आकर किसी भी मुल्क में बसने वाले समूह उस मुल्क के विकास में सकारात्मक योगदान ही करते हैं, फिर भी अवसरों और संसाधनों में हिस्सेदारी के दावों-प्रतिदावों के कारण यह अन्यता या परायापन एक-दूसरे के प्रति नफरत का भाव पैदा करता है। ऐसे में, एक-दूसरे का होना मात्र ही एक-दूसरे के प्रति असुरक्षा-बोध पैदा करता है। सामाजिक संबंधों में यही अंतर्निहित असुरक्षा-बोध पुनः इन सामाजिक समूहों के बीच नफरत का कारण बनता है। ऐसे में, एक समूह दूसरे को खत्म कर देना चाहता है। दूसरे, दुनिया भर के समाजों में मौजूद अस्मिताएं, चाहे वे धार्मिक हों, भाषायी व नस्लीय (जातीय), आज अपना लचीलापन तजने लगी हैं और कट्टर होने लगी हैं। यही कट्टरता उन्हें एक-दूसरे के प्रति नकारात्मक एवं घृणास्पद गोलबंदी के लिए उत्प्रेरित करती है। इतिहास बताता है कि ऐसी ही नस्लीय नफरत और एक-दूसरे को मिटा देने के भाव ने दुनिया भर में अनेक युद्धों को जन्म दिया है। वर्तमान में इतिहास का अत्यधिक हस्तक्षेप भी कई बार नफरत का कारण बनता है। इतिहास मलहम भी है और नश्तर भी। दुखद यह है कि आज इतिहास को मलहम की जगह नश्तर के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसा इतिहास एक ऐसी सामाजिक स्मृति बनाता है, जो सतत विध्वंसकारी नफरत पैदा करती रहती है। नफरत के बहाव में जब कोई समाज बिखरा हुआ रहता है।

जाति जनगणना पर राहुल गांधी के एक्स-रे वाले बयान पर अखिलेश यादव का तंज कहा-सत्ता में थे तो क्यों नहीं कराई

आज का राशिफल

मेष: कुछ वस्तुओं की खरीद करेंगे और आपका धन खर्च होगा। आपको फालतू खर्च से बचने की सलाह है।

वृषभ: रुके कार्य पूर्ण होंगे। सांसारिक सुख भोग और नौकर चाकरी जैसी सुविधाओं में इजाफा होगा।

मिथुन: आज आपके सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूरे हो जाएंगे। आपको धन के मामले में लाभ होगा।

कर्क: धन का खर्च करके आप अपने लिए आराम बढ़ाने की वस्तुएं खरीद सकते हैं।

सिंह: आज आर्थिक लाभ का दिन है और आप अपनी शान शौकत को बढ़ाने के लिए और खर्च करेंगे।

कन्या: आज योजनाएं सफल होंगी और आपके लिए लाभ का दिन है। आपके धन समृद्धि में वृद्धि होगी।

तुला: ऑफिस में और परिवार में सहयोग प्राप्त होगा। मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी।

वृश्चिक: आपके लिए आर्थिक लाभ का दिन है। जो भी काम करेंगे उसमें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

धनु: आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपको हर कार्य में मनवांछित सफलता प्राप्त होगी।

मकर: आर्थिक लाभ का दिन है और आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपकी योजनाएं सफल होंगी।

कुंभ: आज सम्मान प्राप्त होगा और आज आपकी हर प्रकार की प्लानिंग सफल होगी।

मीन: बिना वजह समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपका काम करने में मन नहीं लगेगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5191

	6				9		8	5
9	4				6			2
	8	1			4			3
6						1		8
				3				
2		8						9
3			1			8	4	
8			6				5	7
4	7		2				3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5190

5	7	1	6	9	3	2	4	8
9	3	6	2	8	4	1	7	5
8	4	2	5	1	7	6	3	9
7	8	9	3	2	5	4	6	1
2	6	5	1	4	9	7	8	3
3	1	4	7	6	8	5	9	2
1	5	3	9	7	6	8	2	4
4	9	7	8	5	2	3	1	6
6	2	8	4	3	1	9	5	7

वर्ग पहेली 5191

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस द्वीप समूह की राजधानी माले है (4)
4. सर्वाधिक लंबी तटीय सीमा इस महाद्वीप की है (3)
6. दुलारा लड़का, प्यारा बालक (3)
7. पश्चिमी अफ्रीका देश घाना की यह राजधानी है (3)
8. वाक्य या अपभ्रंश, बोलने की इंद्रिय (2)
9. झगड़ा, धमपड़ (3)
11. संबंध में, हेतु, वास्ते (2)
13. नदी का पुल्लिंग (2)
15. लालायित होना, वांछित वस्तु का प्राप्त न होना (4)
17. इस देश का भी स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त है (1971)(4)
20. शरीर, वस्त्र आदि पर जमी गर्द, धूल आदि (2)
21. फीता का दसरा (2)
22. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट स्थित पेरू देश की यह राजधानी है (2)
23. निशाना, अनुमान योग्य वस्तु (2)
24. खूबसूरत, प्रियदर्शन, रूपवान (3)

ऊपर से नीचे
1. लता मंगेशकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
2. प्रबल अभिलाषित होना (4)
3. दयनीय दशा वाला, गरीब, दरिद्र (2)
4. राजेंद्र सिंह बेदी का इस कृति पर फिल्म निर्माण हो चुका है (8)
5. रक्तवाहिनी, नलिका, नस (2)
7. मशीहा, थाली (4)
10. मध्य यूरोप के देश ऑस्ट्रिया की यह राजधानी है (3)
12. उत्तरप्रदेश के कुछ क्षेत्रों में खिचड़ी को यह भी कहते है (3)
14. जाकिर हुसैन का नाम इस वाद्य के साथ जुड़ा (3)
16. इस सुपर स्टार की जन्म स्थली इंदौर है (4)
18. भेड़ या बकरी का बच्चा, मेष राशि (3)
19. लाभ, मुनाफा (2)

वर्ग पहेली 5190 का हल

श	म		क	वि	ज	दे	व
म	ह	ल		टा	ट		ग
	क	क	ह	रा		ल	न
ली		का	र		न		
मा	स		ला	र	के	ला	र
	मा	स	लि		ल		ह
धा	रा		वा	ही		वा	म
र	न	वै		ता	च	क	

भगवान बिरसा मुंडा की धरती से पीएम मोदी का संदेश...

आदिवासी वर्ग पर 50 हजार करोड़ की योजनाओं की बरसात

मप्र में भी पहुंच रहा गांव-गांव राशन और घर-घर रोजगार, जनजातीय समाज महत्वाकांक्षी योजनाओं से जुड़ा

भोपाल, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। इस बात में कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि केंद्र सरकार द्वारा जो सम्मान पिछले 5 वर्ष के दौरान जनजातीय समाज को दिया है। वह सम्मान इस देश में जनजातीय समाज को देश की आजादी के बाद से 70 वर्षों तक प्राप्त नहीं हुआ था। भाजपा ने देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद पर पहली बार जनजातीय समाज की महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सम्मानित कर देश और जनजातीय वर्ग दोनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिया है। जनजातीय समाज के सम्मान की बात करें तो राष्ट्रीय एवं प्रदेश के स्तर पर करोड़ों-अरबों रुपए की महत्वाकांक्षी योजनाएं आज संचालित हो रही है जो पिछले 50 सालों के इतिहास में जनजातीय समाज के लिए कभी भी संचालित नहीं हुई थी। जानकारी के अनुसार जनजातीय समाज के लिए लगभग 24 केंद्र सरकार की योजनाएं एवं 12 से अधिक मध्य प्रदेश सरकार की योजनाएं संचालित हो रही है ?

मध्य प्रदेश में आधा दर्जन से अधिक जनजाति समाज की योजनाएं संचालित...

मध्य प्रदेश देश का ऐसा पांचवां ऐसा राज्य है जहां पर जनजातीय समाज की संख्या की बात करें तो हर पांचवा व्यक्ति जनजातीय समाज से आता है ? मध्य प्रदेश में जनजातीय समाज के कल्याण के लिए पिछले 20 वर्षों के अंतराल में बडे विकास से जुडे हुए कार्य करने के साथ-साथ समाज के कल्याण से जुडे हुए महत्वपूर्ण कार्य संचालित हुए हैं? आज मध्य प्रदेश सरकार केजनजातीय समाज से जुडेहुए कई कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर तक चर्चा का विषय है।

जनजातीय समाज के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिनमें मुख्य रूप से एमपी की भाजपा सरकार राशन आपके द्वार योजना के तहत गांव गांव राशन पहुंचाने में जुटी है। सैकड़ों आदिवासी युवाओं को हर वर्ष प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। पीएम विश्वकर्मा योजना में हाथ के शिल्प से जुड़े साथियों के लिए 13000 करोड की योजना भाजपा सरकार ने बनाई है।

भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर पहुंच कर प्रधानमंत्री ने दी 50 हजार करोड़ की सौगात...

दो दिवस पूर्व मध्य प्रदेश की धरती पर विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलान किया था कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर झारखंड की धरती पर पहुंचकर उनके दर्शन करुंगा। बुधवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनके पैतृक गांव पहुंचे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर उन्हें माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही उन्होंने बिरसा मुंडा मेमोरियल पार्क सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का दौरा भी किया। इस दौरान पीएम मोदी के साथ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन सहित केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के समय में 13 करोड से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। अटल जी के प्रयास से इस राज्य का गठन हुआ। देश के लोगों की समस्याओं को सुनने का मुझे नजदीकी से मौका मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 50 हजार करोड का में विकास कार्यों कें लिए फंड भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर देने आया हूं। यह मेरे लिए सौभाग्य का विषय है। उनका कहना था कि झारखंड राज्य का हर हिस्सा महान विभूतियों से भरा हुआ है। आजादी की लडाई में आदिवासियों ने जो योगदान दिया है वह योगदान बनवासी क्षेत्र में कोई भी नहीं दे सकता।

एमपी की लाखों बहनों को हमारी सरकार मदद दे रही है और आदिवासी परिवार की बहनों को भी विशेष सहायता दी जाती है। सिकल सेल बीमारी को दूर करने के लिए राष्ट्रीय अभियान शुरू किया गया है। आदिवासी समाज सबसे अधिक वन उपज से जुडा रहता है। कांग्रेस की सरकार में केवल आठ उपज पर समर्थन मूल्य मिला करता था । आज भाजपा सरकार 90 से अधिक वन उपज पर एमएसपी देती है। भाजपा सरकार बंधन योजना लेकर आई है। एमपी की हजारों आदिवासी बहनें इस योजना की मदद से अपनी आय बढा रही हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी विपिन जैन ने लिया शिवना मैया के कायाकल्प का संकल्प

मंदसौर, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी श्री विपिन जैन ने चुनाव जनसम्पर्क के आखरी दिन मंदसौर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों के साथ जनसम्पर्क किया।

श्री जैन ने अपना जन सम्पर्क गांधी चौराहा पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रारंभ किया। उससे पहले उन्होंने तलाई वाले बालाजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने वाहनों के बजाय मंदसौर के नागरिकों से आत्मीयता पूर्वक पैदल चलकर जनसम्पर्क किया। जनसंपर्क में पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटील, श्रीमती पुष्पा भारती, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातड्या, शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी महेन्द्रसिंह गुर्जर, जिला संगठन मंत्री राजेश रघुवंशी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मो. हनीफ शेख, नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी सहित कई कार्यकर्ता साथ रहे।

जनसंपर्क गांधी चौराहा, बस स्टैंड बालाजी, पंडित नेहरू बस स्टैंड, भारत माता चौराहा, कालिदास मार्ग, घंटाघर, आजाद चौक, कालाखेत, सदर बाजार, मंडी गेट, प्रतापगढपुलिया होते हुए भगवान पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचा जहां मंदसौर की जीवन दायनी माँ शिवना में जाकर उनके कायाकल्प के संकल्प को पुन: दौहराया व भूतभावन भगवान श्री पशुपतिनाथ जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष सर्वश्री अंबालाल हिंगोरिया, सलीम खान, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अध्यक्ष विकास दशोरा, कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष ग्रामीण घनश्याम कुमावत, दलौदा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बसंतीलाल सोलंकी, कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष मनीष चौहान, जिला कांग्रेस पदाधिकारी सर्वश्री कांतिलाल राठौर, डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा, अजय लोढा, सरोजसिंह सिसोदिया, इष्ट भाचावत, बबीता सिंह तोमर, अंजूतिवारी, सुनीता बंडी, राखी सत्रावला, कमलेश सोनी लाला, आदित्य पाटील, सुनील बसेर, जितेन्द सोपरा, विश्वास दुबे, आसीफ छीपा, विनोद शर्मा, रामलाल माली, श्यामलाल पाटीदार, ब्रहमानंद पाटीदार, तरूण खिंची, श्याम गुर्गर, निर्मल बसेर, वहीद जैदी, सुदर्शन सिंह शक्तावत , शैलेन्द्र बघेरवाल, सुरेन्द्र कुमावत, राजेश फरक्या, खलील खान, मोहम्मद खलील शेख, शैलेन्द्र जोशी, दिनेश कल्याणी, कैलाश मनवानी, अशोक रैकवार, सुरेश भाटी, साबिर इलेक्टीशियन, अजयसिंह तोमर, विजयसिंह सिसौदिया, सेवादल जिलाध्यक्ष दिलीप देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष जगदीपसिंह राजपूत, शहर ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी जगदीश जटिया, देवेन्द्र खाबिया, ईश्वर भावसार, आरिफ अंसारी, नरेन्द्र डूंगरवाल , दिनेश नाई, अभिषेक जैन, रूपल संचेती, अनिता भदोरिया, प्रमिला नाहर, राखी सत्रावाला, मधु कडावत, मधु सागर, शोभा अकोलकर, सुनीता जादौन, रीना बसेर, कुसुम विश्वकर्मा, सोनाली जैन, सोनिया जैन, नेहा कनकमल जैन, मंडलम अध्यक्ष अजय मारू, विश्वनाथ सोनी, शुभम कुमावत, रमेश ब्रिजवानी, दशरथ राठौर, पंकज जोशी, वकार खान, विजय जैन, अजय सोनी, नितेश सतीदासानी, सेक्टर अध्यक्ष राजेश खींची, अकरम खान, सादिक गौरी, रोहित मालवीय, जीवन मेहर, शिखर डूंगरवाल, फिरोज अली, राकेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रे सजन उपस्थित थे। अंत में कांग्रेस प्रत्याशी विपिन जैन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं को अपने-अपने पोलिंग बूथ पर जूट जाने का आव्हान किया।

भाजपा प्रत्याशी सिसोदिया ने किया जनसम्पर्क, निकली वाहन रैली

मंदसौर, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी ने मंदसौर विधानसभा क्षेत्र का संपूर्ण विकास किया है। जिला मुख्यालय से लेकर गांव-गांव तक विकास बयां हो रहा है। मंदसौर में महानगरों की तर्ज पर ओव्हरब्रिज, शुद्ध पानी के लिए फिल्टर प्लांट, शहर के प्रमुख क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए अत्याधुनिक पंप हाउस, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज के साथ ही भगवान पशुपतिनाथ का भव्य कॉरिडोर बन रहा है। शिवना मैया के शुद्धिकरण के लिए भी काम चल रहा है। दलौदा में भी मंदसौर की भांति विकास कार्य हुए, दलौदा को नगर परिषद बनाया। महाविघालय, मंडी, प्रगति चौराहे का चौडीकरण समेत कई विकास कार्य किए है। ग्रामीण क्षेत्रो में भी समग्र विकास हुआ है, शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई के क्षेत्र में भाजपा की सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए है। यह बात मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी यशपालसिंह सिसोदिया ने जनसम्पर्क के दौरान मतदाताओं से संवाद करते हुए कहीं।

श्री सिसोदिया ने कहा कि विकास के साथ ही हर व्यक्ति के लिए भाजपा की सरकार ने योजनाऐ लागू की है। आयुष्मान योजना के माध्यम से आज निशुल्क उपचार की सुविधा मिल रहीं है, बेटियों को भाजपा की सरकार ने आत्मनिर्भर बनाया है, बहनों को लाडली बहना योजना के माध्यम से भाजपा सरकार ने आत्मनिर्भर बनाया है अब भाजपा की सरकार बहनों को लखपति बनाऐंगी स्व सहायता समूह के माध्यम से एक लाख रूपऐ तक की आमदनी बहनों को हो सके, इसके लिए प्रबंध करेगी। किसानों को सम्मान निधी भाजपा सरकार दे रहीं है। बेटे-बेटियों की शिक्षा के लिए भाजपा की सरकार ने प्रबंध किए है। हर वर्ग के लिए भाजपा की सरकार ने योजनाओं को लागु किया है। विकास की इस गति को बनाऐ रखने में जनता का सहयोग और साथ चाहिऐ।

जनरल आब्जर्वर श्रीमती जे.विजयारानी ने नीमच में मतदान सामग्री वितरण व्यवस्था का जायजा लिया

नीमच, 15 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। निर्वाचन आयोग व्दारा नियुक्त जनरल आब्जर्वर श्रीमती जे.विजयारानी ने मंगलवार को शासकीय पीजी कॉलेज नीमच में मतदान दलों को विधानसभा निर्वाचन के लिए मतदान सामग्री वितरण एवं वापिस प्राप्त करने के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होने निर्देश दिए, कि मतदान दलों को मतदान सामग्री प्राप्ति एवं वापसी में कोई असुविधा ना हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। प्रेक्षक श्रीमती जे.विजयारानी ने मतदान दलों के सामग्री वितरण एवं वापसी संबंधी प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण का जायजा लिया और सामग्री वितरण की व्यवस्था को संतोषजनक बताया। इस मौके पर महाप्रबंधक उद्योग श्री अमरसिह मौरे एवं प्रोफेसर डॉ.प्रशांत मिश्रा व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया वाहन निगरानी एवं वेब कास्टिंग कक्ष का निरीक्षण

नीमच, 15 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीमच श्री दिनेश जैन ने बुधवार को कलेक्टोरेट नीमच में जी.पी.एस. निगरानी एवं वेबकास्टिंग निगरानी कक्ष का अवलोकन किया और निर्वाचन में लगे वाहनों के ट्रेकिंग सिस्टम मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग कार्यका जायजा लिया। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, श्री संजीव साहू व अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री जैन ने कम्यूनिकेशन कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कम्यूनिकेशन टीम के सदस्यों से चर्चा की और कम्यूनिकेशन व्यवस्था का जायजा लिया और निर्देशित किया कि मतदान के दिन तथा मतदान दलों के मतदान केंद्रों पर पहुंचने की निर्धारित समय पर रिर्पोटिंग की जाये।

प्रेक्षक जावले द्वारा जिला स्तरीय जीपीएस एवं वेब कास्टिंग कंट्रोल रूम का निरीक्षण

नीमच, 15 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग के जनरल आब्जर्वर श्री किशन नारायणन राव जावले ने बुधवार को कलेक्टोरेट नीमच में जी.पी.एस. निगरानी एवं वेबकास्टिंग निगरानी के लिए स्थोपित जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर, निर्वाचन में लगे वाहनों के ट्रेकिंग सिस्टम, मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग कार्य का जायजा लिया। प्रेक्षक श्री जावले ने कम्यूनिकेशन कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कम्यूनिकेशन टीम के सदस्यों से चर्चा की और कम्यूनिकेशन व्यवस्था का जायजा लिया और निर्देशित किया कि मतदान के दिन तथा मतदान दलों के मतदान केंद्रों पर पहुंचने की निर्धारित समय पर रिर्पोटिंग की जाये।

महिला मतदाताओं ने गांव-गांव में निकाली मतदाता जागरूकता की कलश रैली

मंदसौर, 15 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 कें अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत गांव गांव मेंमहिला मतदाताओं ने गांव-गांव मे निकाली मतदाता जागरूकता की कलश रैली निकाली गयी। महिला मतदाताओं ने मतदान की शपथ भी ली। इसके साथ ही यूवा मतदाताओं को मतदान के बारे में जानकारी दी।

भाजपा सरकार ने सभी वर्ग की चिंता की-देवड़ा

मंदसौर, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी श्री जगदीश देवडा ने बुधवार को चुनावी जनसम्पर्क के अंतिम दिवस विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांवों में जनसमपर्क किया। श्री देवडा ने प्रात:काल से लेकर सायंकाल तक धुंधडका मण्डल के गावों में पहुंचकर प्रदेश में पुन: भाजपा सरकार बनाने के लिये आशीर्वाद मांगा।

श्री देवडा ने क्षेत्र के भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ अपने चुनावी जनसम्पर्क की शुरूआत ग्राम अफजलपुर से की। इसके बाद उन्होनें तुमडावदा, लसुडी, राणाखेडा, बिलात्री, कमालपुरा, लच्छाखेडी, चिरमोलिया, इशाकपुर, मण्डला, धतुरिया, बांसाखेडी, पालडी, चिपलाना, रिण्डा, पिण्डा, लुहारी श्रीपद, लुहारी शेख, बर्डियाखेडी, डिगांवमाली, सुरी, बेखेडा, गारियाखेडा, नावनखेडी, जग्गाखेडी (नाहरगढ रोड), पिपलिया कराडिया, खण्डेरिया मारू ग्राम का जनसम्पर्क किया। जनसम्पर्क के दौरान श्री देवडा के साथ जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष प्रियंका गोस्वामी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष जीवन शर्मा, मण्डल प्रभारी राजेश नामदेव, जनपद पंचायत अध्यक्ष बसंत शर्मा सहित क्षेत्र के कई भाजपा कार्यकर्ता भी साथ थे।

श्री देवडा ने गांव की चौपाल पर आयोजित नुक्कड़ सभाओं व अनौपचारिक चर्चा में कहा कि शिवराज सरकार ने महिलाओं के सम्मान एवं उनको आत्मनिर्भर बनाने के लिये लाडली बहना योजना बनाई। अब महिलाओं को उनके खातों में हर महीने 1250 रू. की राशि मिल रही है। महिलायें अब छोटी मोटी जरूरतों के लिये किसी पर मोहताज नहीं है। आज हर गांव में दो तरफ से मेन रोड की सडकों से जुडा है तो इसका श्रेय केवल भाजपा को जाता हैं।

जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

मंदसौर, 15 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने विधानसभा निर्वाचन निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण कराने के साथ कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में धारा 144 (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये। प्रचार की अवधि की समाप्त हो जाने के पश्चात निर्वाचन क्षेत्र के भीतर कोई प्रचार नहीं करेंगा। निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से लाए गए राजनैतिक पदाधिकारी/दल कार्यकर्ता/ जूलूस पदाधिकारी/प्रचार पदाधिकारी जो उस निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं है, निर्वाचन क्षेत्र में उपस्थित नहीं रहने चाहिए। इस अवधि के तत्काल पूर्व जिले से बहार चले जाए। पांच या पांच से अधिक व्यक्ति सार्वजनिक स्थल पर एकत्र न हो एवं न ही एकसाथ भ्रमण करेंगे। इस दौरान घर-घर सम्पर्क के माध्यम से प्रचार में छुट रहेगी। इस अवधि मे आम सभाएं पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी। राजनैतिक दलों द्वारा प्रचार-प्रसार में लाउड स्पीकर के उपयोग पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा।

सरकार बनी तो छह महीने में गरोठ बनेगा जिला- सोजतिया

गरोठ, 15 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चुनावी प्रचार प्रसार थमने से पूर्व बुधवार को गरोठ विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष कुमार सोजतिया ने गरोठ नगर के 15 ही वार्डो का दौरा किया और लोगों से जनसंपर्क किया। श्री सोजतिया ने जनसंपर्क के दौरान विभिन्न वार्डों में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 18 साल की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार में लीन रही और विधानसभा का विकास अवरुद्ध हो गया। चिकित्सा सुविधा को लेकर कहा कि जब मैं गरोठ में विधायक था तो डॉक्टरों की कोई कमी नहीं थी, आज गरोठ चिकित्सालय रेफर हॉस्पिटल के नाम से प्रसिद्ध हो गया है। लोग इलाज के अभाव में दम तोड़ते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गरोठ जिले की मांग लंबे समय से चली आ रही है। लेकिन, यहां के भाजपा जनप्रतिनिधियों ने कभी गरोठ को जिला बनाने की ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया और आज भी यह मांग अधूरी है। मुझे चुना तो गरोठ अवश्य ही जिला बनेगा। मेरे द्वारा वर्ष 2003 में गरोठ को जिला बनाने की पूरी प्रक्रिया कर दी गई थी। लेकिन उस समय कांग्रेस की सरकार चली जाने के कारण गरोठ जिला नहीं बन सका। उसके बाद भाजपा सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। मैं विश्वास दिलाता हूं कि यदि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो गरोठ जिला अवश्य बनेगा। बस मुझे थोडा समय देना, क्योंकि फाइले देखना पडेगी कि भाजपा ने 20 वर्षो में गरोठ को जिला बनाने की फाइल का क्या किया।

श्री सोजतिया ने कहा कि दुधाखेडी माताजी मंदिर निर्माण जो की 3 वर्ष में पूर्ण करना था, उनके भ्रष्टचार के चलते 12 वर्ष बीतने के बाद भी यह मंदिर अधूरा है। भाजपा प्रत्याशी पर एक करोड के भ्रष्टचार के आरोप लगें और कहा की माताजी की मूर्तियां क्षतिग्रस्त हो गई थी, उसके बाद भी ये अपने आप को हिन्दू धर्म का हितेषी बताते है।

जम्मू-कश्मीर के उड़ी में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सुरक्षा बल ने दो आतंकियों को किया ढेर

श्रीनगर, 15 नवम्बर। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले के उडी सेक्टर में सुरक्षा बलों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकियों को मार गिराया। उडी सेक्टर में सतर्क सैनिकों ने आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि देखी जो सीमा पार से घुसपैठ का प्रयास कर रहे थे। सुरक्षा बलों ने समय रहते आतंकवादियों के घुसपैठ को विफल कर दिया और दो आतंकियों को मार गिराया। आतंकवादी खराब दृश्यता और खराब मौसम का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। ऑपरेशन में अब तक एक आतंकवादी मारा गया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने कहा था कि सर्दियों की शुरुआत और भारी बर्फबारी के कारण ट्रैक बंद होने से पहले अधिक आतंकवादियों को घुसपैठ कराने के लिए सीमा पार से हमेशा प्रयास किए जाते हैं। सेना ने बताया कि नियंत्रण रेखा के पार से भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों द्वारा उडी सेक्टर में घुसपैठ की खुफिया एजेंसियों और

जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशिष्टइनपुट के आधार पर सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और घुसपैठ रोधी ग्रिड को मजबूत किया गया है।

मतदान केन्द्र से 200 मीटर दूरी पर अभ्यर्थी लगा सकेंगे अपना बूथ

नीमच, 15 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन, 2023 के लिए मतदान दिवस पर अभ्यर्थियों द्वारा मतदान केन्द्र के बाहर 200 मीटर दूरी पर मतदाताओं को अशासकीय पहचान पर्ची वितरण के लिए केन्द्र स्थापित किए जाते है। इस संबंध मे आयोग ने निर्देश जारी किए है, जिनका पालन करना प्रत्येक अभ्यकर्थी का दायित्व होगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने इस संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया, कि बूथ स्थापना के इच्छुक अभ्यर्थी को लिखित रूप में और अग्रिम रूप से रिटर्निंग ऑफिसर को उन मतदान केन्द्रों के नाम और क्रम संख्या की जानकारी देनी होगी, जहाँ उनके द्वारा ऐसे बूथ स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। वहाँ ऐसे बूथो की स्थापना से पहले संबंधित स्थानीय कानूनों के तहत संबंधित सरकारी प्राधिकारियो यथा निगम, नगर पालिकाओं, नगर परिषदों, पंचायत आदि जैसे स्थानीय प्राधिकारियो की लिखित अनुमति भी प्राप्त करनी होगी। ऐसी लिखित अनुमति बूथ पर काम करने वाले व्यक्तियों के पास उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि चुनाव संबंधित पुलिस अधिकारियों की मांग पर इसे प्रस्तुत किया जा सके। ऐसा बूथ मतदान केन्द्र से 200 मीटर की दूरी पर स्थापित किया जायेगा। ऐसे प्रत्येक बूथ पर केवल एक टेबल और दो कुर्सियां लगायी जायेगी। बूथ के लिए 10 ु 10 फीट से अधिक का एक छाता या एक तम्बू न हो। फ्लेक्स का आकार 1.5 ु 3 फीट से बडा न हो। इन बूथो का उपयोग केवल निर्वाचको को अनौपचारिक पहचान पर्ची जारी करने के एक मात्र उद्देश्य के लिए किया जायेगा। ये पर्चियों सादे कागज पर होगी, जिस पर अभ्यर्थी का नाम या प्रतीक मुद्रित नही होगा। बूथो पर भीड जमा नही होने दी जायेगी, तथा जो मतदाता मतदान कर चुके है, दे वहाँ एकत्रित नही होंगे। बूथ से यातायात व्यवस्था में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नही किया जायेगा। निर्देशो का कडाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। उल्लंघन की दशा मे बूथ हटा दिया जायेगा और कानूनी कार्यवाही भी की जायेगी। 200 मीटर क्षेत्र में चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं होगी। निर्वाचन प्रधिकारियो से भिन्न व्यक्तियों को 100 मीटर क्षेत्र मे मोबाइल के उपयोग की अनुमति नही होगी। बूथ पर लगाया गया, व्यक्ति उसी मतदान केन्द्र का मतदाता होगा, उसके पास ईपिक भी होगा। ऐसे बूथो पर किसी आपराधिक पृष्ठ भूमि वाले व्यक्ति को काम पर न लगाये। यदि एकही लोकेशन पर एकाधिक मतदान केन्द्र है, तो उन सभी मतदान केन्द्रों के लिए एक बूथ लगाने की अनुमति होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अभ्यर्थियो से आयोग के उपरोक्त निर्देशों के पालन, से पालन करने की अपील की है।

वोट दे तू

नोट दे या धोंस दे
मत ले मत डर तू
सोच-समझकर
वोट दे तू वोट दे तू।
देश का नागरिक है तू
प्रजातंत्र का आधार हे तू
थोडा खोटी होकर
वोट दे तू वोट दे तू।
नोट -भेंट ले वोट देता तू
पांच साला गुलाम बन
दु:ख उपेक्षा भोगता तू
उलाहना झेलता रह तू
खुद आत्म सम्मान रख तू
परिवार संग मत बिक तू
समाज - भविष्य हित तू
सोच समझकर वोट दे तू।

भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

दशपुर विद्यालय के वार्षिक स्नेह सम्मेलन तरंगम का हुआ आयोजन

मंदसौर, 15 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। नगर की सबसे प्राचीन एवंशिक्षा में अग्रणी शैक्षणिक संस्था दशपुर विद्यालयके 21 वें वार्षिकोत्सव तरंगमका आज सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदरणीय श्रीमती अल्पना जी गुप्ता, श्रीमती पूजा जी गोयल, श्रीमती मुक्ता जीगोयलद्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करइस रंगारंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।इसीकेसाथविद्यार्थियोंकेएकसमूहद्वारामाँसरस्वती कीवंदना भी प्रस्तुत की गई।दशपुरशिक्षा शक्ति की प्रधानाचार्याश्रीमती सीमाजीजैनद्वारा स्वागत भाषण दिया गया।इसके पश्चात छात्रों ने अपने रंगारंग एवं धमाकेदार प्रस्तुतियोंसे विद्यालय प्रांगण कोगुंजायमान कर दिया। सबसे पहले विद्यार्थियों के एक ग्रुप ने प्रथम पूज्य, विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश को समर्पितएक शानदारनृत्यप्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सभी जन समुदाय ने काफी सराहा।कक्षानर्सरी, एल के जी एवं यूकेजी के नन्हें मुन्ने विद्यार्थियों एवं उनकेमाता- पिता द्वारा 'मेरी दुनिया' नामक गीत पर अपनी सुंदर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यालय के प्राचार्य प्रिंसवीथॉमस नेवार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें विद्यालय द्वारा वर्ष भर में अर्जित उपलब्धियों का वर्णन किया गया। इसी के साथ मुख्य अतिथियों द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-23 में कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले एवं विद्यालय को गौरवान्वित करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार विभिन्न खेलो के माध्यम से प्रदेश स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन करने वाले छात्र छात्राओं को भी स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय केकक्षा छठीं से आठवीं तक केविद्यार्थियोंकेएक समूह ने बहुत ही खूबसूरत एवं शानदार ऑर्केस्टए एवं नए-पुरानेगीतों पर आधारित एक बहुत ही सुंदर मेलोडी प्रस्तुत की, जिसे सुन सभी मंत्रमुग्ध हो गए।योगाडांस द्वारा छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के पिरामिड एवं कई प्रकार केआसनों का प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जिसे देख उपस्थित सभी अभिभावकगण दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर हो गए। कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा एक खूबसूरत कविसम्मेलन प्रस्तुत किया, जिसमें अपनी कविताओं के द्वारा विद्यालय के जूनियर कवियों ने हास्य, करुण, वीर, रौद्र एवंवात्सल्य रसोंसे पूर्ण कविताओं से उपस्थित जनसमुदाय को भाव विभोर कर, उपस्थित श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। कक्षा 12वी के विद्यार्थियों ने न्यूज एंकर की जीवन शैली पर आधारित एक हास्य साइंसस्किट प्रस्तुत की। कक्षा 8 वीं और 9 वीं के छात्रों ने के जीएफ एवं पुष्पा थीम पर आधारित एक शानदार और बेहतरीन डांस प्रस्तुत किया। कक्षा8 वीव9 वी की छात्राआें के एक समूह ने भारत की वीरांगनाएं झाँसी की रानी एवं ताराबाई के जीवन पर आधारित एक धमाकेदार डांस की प्रस्तुति दी। कक्षा 10 वीं की छात्राओं के एक समूह द्वारा प्रभु श्रीराम के जीवन वृत्त पर आधारित एक सेमि क्लासिकल नृत्य की प्रस्तुति दी। कक्षा 12 वीं के सीनियर विद्यार्थियों ने साउथ केगीतों पर आधारित एकबेहतरीन डांस प्रस्तुत किया, जिसे देख हर कोई उन गीतों पर थिरकने लगा। कार्यक्रम के अंत में कक्षा 9 वीं से 12 पीं तक के सभी प्रतिभागियों ने ये पल याद आयेंगे नामक गीत पर बहुत ही मार्मिक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस, सुपरवाइजर हाकिमप्रसाद शर्मा, मीडियाकर्मियों सहित समस्त विद्यार्थियों केपालकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक अंतिम गेहलोद, शिक्षिका श्रीमती नीलू बख्शी, श्रीमती रेणुका शुक्ला, श्रीमती संगीता नागदा एवं विद्यार्थियों केद्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन शिक्षक निलेश ऐरन द्वारा किया गया।

बाल दिवस पर बच्चों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

ट्रूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया के नेतृत्व में मंदसौर के 4 कैडेट पहुंचे राष्ट्रपति भवन

मंदसौर, 15 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। एनसीसी सीएसएम पराग शर्मा, सी एस एम प्राची व्यास और हिंदुस्तान स्काउट गाइड के दो स्काउट युग श्रीवास्तव और अर्णव अग्रवाल ने (14 नवंबर, 2023) राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (आरबीसीसी) में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। चयनित कैडेटस की उपलब्धिया सीएसएम प्राची व्यास - प्राची द्वारा मंदसौर जिले में दो बार जिला स्तरीय परेड में बॉयज प्लाटून को परेड कमान करके प्रथम स्थान दिलाया, एनसीसी टीएससी कैंप के दौरान शूटिंग में अच्छा प्रदर्शन कर मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया, साथ ही एचएमआई दार्जिलिंग एवं जिम जम्मू एंड कश्मीर, अटल बिहारी वाजपेई पर्वतारोहण संस्थान से स्कीइंग कोर्स, एडवेंचर कोर्स, ए ग्रेडिंग ने उत्तीर्ण किया एवं ग्रुप मुख्यालय इंदौर द्वारा बेस्ट कैरेट का अवार्ड भी प्राप्त किया।

सीएसएम पराग शर्मा -पराग शर्मा द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत ऑल इंडिया कैंप में निबंध प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता, एवं एनसीसी ग्रुप मुख्यालय इंदौर के द्वारा बेस्ट कैडेट का अवार्ड भी प्राप्त किया साथ ही एडवेंचर फील्ड में दार्जिलिंग जम्मू एंड कश्मीर एवं नरकंडा अटल बिहारी वाजपेई पर्वतारोहण संस्थान से एडवेंचर एवं स्कीइंग कोर्स पूर्ण कर ए रीडिंग प्राप्त किया। युग श्रीवास्तव और अर्णव अग्रवाल दोनों ही स्काउट के सबसे छोटे छात्र हैं जिन्होंने 10 वर्ष की उम्र में 12000 फीट हाइट पर चढ़ाई जवाहर पर्वतारोहण संस्थान जम्मू एंड कश्मीर में एडवेंचर कोर्स पूर्ण किया जहां पर 5 किलोमीटर की एंडोरेंस को पूरा करने पर संस्था डायरेक्टर भारतीय सेना के मेजर एम बिजॉय द्वारा प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया, यह चारों कैडेटस ट्रूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया (ट्रूप नंबर 157), स्काउट मास्टर ललित कुमार परमार सेंट थॉमस विद्यालय के नेतृत्व में राष्ट्रपति भवन पहुंचे जहां महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा बच्चों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि हम अक्सर कहते हैं कि बच्चे देश का भविष्य हैं। इस भविष्य को सुरक्षित रखना और इसका उचित पालन-पोषण सुनिश्चित करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आज के बच्चों के पास तकनीक और ढेर सारी जानकारी और ज्ञान है। वे देश-विदेश में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपने बच्चों की प्रतिभा को सही दिशा दें। राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों में दूसरों के प्रति अधिक संवेदनशीलता होती है. वे दूसरों का दु:ख देखकर दु:खी हो जाते हैं और दूसरों को सुखी देखकर प्रसन्न हो जाते हैं। बच्चों के इसी गुण के कारण हम उन्हें बचपन से ही दूसरों की मदद करने और पर्यावरण के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना रखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। बच्चों को स्वास्थ्य और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी बहुत जरूरी है। राष्ट्रपति ने बच्चों से कहा कि अगर वे अपनी क्षमता को पहचानें और पूरी लगन और कड़ी मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें, तो वे निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं. उन्होंने उन्हें पढ़ने की आदत अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक कहावत है- किताबें सबसे अच्छी दोस्त होती हैं. उन्होंने कहा कि अच्छी किताबें किसी के व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव लाती हैं। उन्होंने बच्चों को महान हस्तियों की जीवनियां पढ़ने की भी सलाह दी, जिससे उन्हें प्रेरणा मिलेगी और चुनौतियों का सामना करने में भी मदद मिलेगी। मंदसौर जिले के बच्चों की उपलब्धि पर विद्यालय प्राचार्य सिस्टर ज्योतिस, मैनेजर फादर लॉरेंस, 5 मध्य प्रदेश स्वतंत्र कंपनी एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल रिजवान खान, हिंदुस्तान स्काउट गाइड मध्य प्रदेश राज्य आयुक्त डॉ. क्षितिज पुरोहित, राज्य सचिव गणेश शर्मा, ट्रूप कमांडर कैप्टन डॉ. विजय सिंह पुरावत, केयर टेकर ऑफिसर राकेश श्रीवास्तव, जिला माउंटेनियरिंग संगठन के पदेन उपाध्यक्ष विजेंद्र देवड़ा, कार्यकारी उपाध्यक्ष विश्व मोहन अग्रवाल, सचिन जैन, डॉक्टर राहुल सेंगर (एमडी फिजिशियन), चीफ ऑफिसर वीरेंद्र कुमार तिवारी, सूबेदार भवानी सिंह, टी ओ धीरज शुक्ला, टी ओ विक्रम शर्मा, कुलदीप सिंह चंद्रावत, आदि ने बधाई दी एवं उज्ववल भविष्य की कामना की।

नीमा समाज का अन्नकूट महोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 15 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। नीमा समाज मंदसौर द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अन्नकूट महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन श्री पशुपतिनाथ मंदिर के समीप स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें समाज के सभी सदस्यों ने बढ़चढ़कर सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाज के वरिष्ठजन श्री बाबूलाल नीमा, श्री जगदीश साकी, श्री कैलाशचन्द्र नीमा, श्री ओमप्रकाश साकी व श्री दिलीप डोसी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष आशीष नीमा ने की। प्रारंभ में सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा भगवान श्री कृष्ण के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में समाज की उन्नति हेतु ऐसे ही सामाजिक कार्यक्रम करने का आव्हान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज अध्यक्ष आशीष नीमा ने कहा कि मिलन समारोह का आयोजन समाज में एकता एवं सद्भावना जागृत करता है। हम सभी एक दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बने। आपसी सहयोग होगा तो मुझे पूरी उम्मीद है कि समाज उन्नति करता रहेगा। आपने कहा कि पहली बार मंदसौर नगर में नीमा समाज ने श्रावण मास में भव्य कावड यात्रा निकाली गई थी जिसमें सभी समाजजनों ने बढ़चढ़कर सहभागिता की। साथ ही इस वर्ष दो धार्मिक यात्राएं भी निकाली जिसमें समाज के सदस्यों ने धर्मलाभ लिया व कई आयोजन समाज द्वारा किये गये। आपने कहा कि समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जा रहा है जिन्होनें अपनी मेहनत व लगन से अच्छे अंक प्राप्त किये और अपने परिवार व समाज गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम में गणेश वंदना चेताली नीमा ने की। भगवान को अन्नकूट का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया गया। महिलाओं ने धार्मिक भजन भी प्रस्तुत किये। मंचासीन अतिथियों का स्वागत समाज के वरिष्ठजन सर्वश्री बाबूलाल कंठाली, महेश कटलाना, मुकेश साकी, जितेन्द्र नीमा, मुकेश वाडेल ने किया। कार्यक्रम में कावड़ यात्रा में विशेष सहयोग करने पर श्री सुधीर नीमा का सम्मान हुआ। साथ ही प्रतिभा सम्मान समारोह में परिधि योगेश नीमा, युवराज हरिश कटलाना, नैतिक मनीष नीमा, सौम्यराज हरिश कटलाना, अक्षत उज्ज्वल नीमा, तोशी जयदीप नीमा, लक्ष्य नीतिन नीमा, अश्विनी संजय डोशी, भूमिका पंकज साकी, विदित विजय कंठाली, रिया कमलेश डोसी, गौरी यशदीप नीमा का दुपट्टा पहनाकर व शिल्ड भेंटकर सम्मान किया। साथ ही बेचलर ऑफ फिजियोथेरेपी कर रही बालिका कृतिका डोशी, एमबीबीएस कर रहे अदिती कंठाली व चिन्मय नीमा का भी सम्मान किया। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष मनोज साकी, सचिव जयदीप नीमा, सहसचिव संजय कंठाली सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। संचालन तृप्ति नीमा एवं कृतिका डोसी ने किया एवं आभार समाज उपाध्यक्ष सुनील कटलाना ने माना।

भारत चौथी बार वनडे वर्ल्ड...

पेज 1 से जारी

करियर का 50वां शतक जमाया। वे वनडे में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए। विराट ने सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ा। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर ने 70 बॉल पर 105 रन बनाए। अय्यर ने वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी सेंचुरी जमाई। शुभमन गिल ने 66 बॉल पर 80 और कप्तान रोहित शर्मा ने 29 बॉल पर 47 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड की ओर से टिम साउदी ने 2 विकेट लिए।

डेथ ओवर्स में भारत ने 110 रन बनाए- 41 से 50 ओवर के बीच भारत ने 110 रन बनाए और न्यूजीलैंड को 398 रन का टारगेट दिया। विराट कोहली ने 106 बॉल पर अपना शतक पूरा किया और वह 117 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद श्रेयस अय्यर ने भी 70 बॉल पर 105 रन की पारी खेली। केएल राहुल 20 बॉल में 39 रन बनाकर नॉटआउट रहे। आखिरी 10 ओवर में टीम ने 3 ही गंवाए।

मिडिल ओवर्स में भारतीय बल्लेबाजों की बड़ी साझेदारियां- मिडिल ओवर्स में भारत ने शानदार साझेदारियां की। रोहित के आउट हो जाने के बाद विराट कोहली और शुभमन गिल ने 93 रन की साझेदारी की। गिल 79 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और विराट कोहली ने साथ शतकीय साझेदारी की। न्यूजीलैंड पूरी तरह गेम से बाहर दिखा। बीच में रचिन रवींद्र भी आए, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने रचिन की खराब गेंदों को पहचाना और बड़े शॉट्स खेले। मिडिल ओवर्स में भारत ने कोई विकेट नहीं खोया और 202 रन बनाए।

पावरप्ले में भारत ने 8.4 के रन रेट से बल्लेबाजी की, एक विकेट भी गंवाया- पावरप्ले में भारत ने तेज शुरुआत की। टीम ने शुरुआती 10 ओवर में 8.4 के रन रेट से बैटिंग की। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने पहले ही ओवर से 10 रन निकाले और न्यूजीलैंड पर प्रेशर बनाया। 5 ओवर तक ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी का छोटा स्पैल चला। आक्रमक बल्लेबाजी को देखते हुए छठे ओवर में कप्तान विलियमसन स्पिनर मिचेल सैंटनर को लेकर आए, सैंटनर ने 11 रन का ओवर दिया। ट्रेंट बोल्ट ने शॉर्ट लेंथ बॉल पर रोहित को पुल करने के लिए ललचाया, लेकिन रोहित ने उसे बाउंड्री में कन्वर्ट किया। 9वें ओवर में टिम साउदी के सामने रोहित शर्मा ने बड़ा शॉट खेलकर अपना विकेट खोया। उन्होंने 29 बॉल में 47 रन की पारी खेली और गिल के साथ 71 रन की पार्टनरशिप की। पावरप्ले में भारत ने 84 रन स्कोरबोर्ड में जोड़े।

भारत-न्यूजीलैण्ड के बीच सेमीफाईलन की झलकियां

✻ मोहम्मद शमी न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट ले चुके हैं, इसी के साथ उन्होंने वर्ल्ड कप में 8वीं बार पारी में 4 या उससे ज्यादा विकेट लिए। इस रिकॉर्ड में शमी ही टॉप पर हैं, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क हैं, जिनके नाम वर्ल्ड कप में 6 बार 4+ विकेट लेने का रिकॉर्ड है। ✻ मोहम्मद शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा विकेट लेने के साथ ही वर्ल्ड कप में अपने 50 विकेट भी पूरे कर लिए। इसके लिए उन्होंने महज 17 पारियां लीं, जो टूर्नामेंट इतिहास में सबसे तेज है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 19 पारियों में 50 विकेट लिए थे। ✻ डेरिल मिचेल एक वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा छक्के जमाने वाले बैटर बने। उन्होंने मौजूदा सीजन में 18वां छक्का जमाया। मिचेल ने ब्रैंडन मैकुलम के 2015 के सीजन में 17 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा। ✻ डेरिल मिचेल में इस वर्ल्ड कप का सबसे लंबा 107 मीटर का छक्का जमाया। उन्होंने श्रेयस अय्यर के 106 मीटर के छक्के को पीछे छोड़ा। ✻ पावरप्ले में न्यूजीलैंड 46/2, शमी ने ओपनर्स को पवेलियन भेजा ✻ 398 रन का टारगेट चेज कर रहे न्यूजीलैंड की शुरुआत खास नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में 46 रन बनाने में ओपनर्स के विकेट गंवा दिए। रचिन रवींद्र और डेवोन कॉन्वे ने 13-13 रन बनाकर आउट हुए। ✻ कोहली (711 रन) एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। तेंदुलकर ने 2003 वर्ल्ड कप में 673 रन बनाए थे। ✻ विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50+ रन बनाने के मामले में श्रीलंकाई बैटर कुमार संगाकारा को पीछे छोड़ दिया। संगाकारा ने 216 बार 50+ रन बनाए हैं, जबकि विराट 217वीं बार यह कारनामा कर चुके हैं। विराट अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रिकी पोंटिंग (217 बार) के बराबर पहुंच गए हैं। सचिन तेंदुलकर इस मामले में टॉप पर हैं। उनके 264 है। ✻ वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा बार 50 प्लस रन के मामले में विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। विराट ने इस वर्ल्ड कप में आठ बार 50+ रन बनाए हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर 2003 वर्ल्ड कप में 7 और शाकिब अल हसन ने 2019 वर्ल्ड कप में 7 बार 50 प्लस रन बनाए थे। ✻ मौजूदा वर्ल्ड कप में 600 छक्के पूरे हो चुके हैं। भारतीय बैटर श्रेयस अय्यर ने रचिन रवींद्र की बॉल पर 600वां छक्का लगाया। ✻ विराट कोहली ने 36वां रन लेते ही वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट में अपना बेस्ट स्कोर बनाया। इससे पहले, कोहली 2011 के वर्ल्ड कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 43 बॉल पर 35 रन बनाए थे। ✻ विराट कोहली (13794 रन) वनडे क्रिकेट के तीसरे टॉप रन स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 28वां रन लेते ही विराट ने पोंटिंग को पीछे छोड दिया। पोंटिंग के नाम 375 वनडे में 13704 रन हैं। कोहली 291वें मैच में इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ चुके हैं। कोहली से आगे श्रीलंका के कुमार संगकारा (14234 रन) और भारत के सचिन तेंदुलकर (18426 रन) ही हैं।

अधिग्रहित होटल, लॉज, धर्मशाला आदि की सघन जॉच के निर्देश

नीमच, 15 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत दण्डप प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-144 के तहत जारी आदेशानुसार ऐसे व्यिक्ति, जो निर्वाचन क्षैत्र के मतदाता नही हें, 48 घंटे की अवधि प्रांरभ होते ही(अर्थात 15 नवम्बोर 2023 को शाम 6 बजे से) निर्वाचनक्षैत्र को छोड देगें का उल्लेदख किया गया है। कलेक्ट र एंव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा जिले के ऐसे सभी होटल, लॉज, एवं धर्मशालाओं आदि की संघन जॉच 48 घंटे की अवधि प्रांरभ होते ही, ऐसे व्यलत्ति, जो निर्वाचन क्षैत्र के मतदाता नही है, उन्हेक निर्वाचन क्षैत्र से अन्येत्र चले जाने के लिए पांबद करना सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है।

दो आरोपी जिला बदर

नीमच, 15 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 के तहत दो आरोपियों को क्रमश: तीन एवं छह माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। आरोपी मिथुन पिता कैलाश बावरी निवासी गायरी मोहल्लाध सुवाखेडा थाना जावद को तीन माह एवं आरोपी विष्णु पिता दुधमल भोई निवासी भाटखेडी नाका थाना मनासा को 6 माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। उक्त दोनों आरोपी जिला बदर अवधि में नीमच जिले की राजस्वि सीमा तथा समीपवर्ती मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन, देवास एवं आगर-मालवा जिले की राजस्व. सीमा में जिला बदर अवधि में प्रवेश नहीं कर सकेगें।

आरोपियों को थाना हाजरी के आदेश- जिला मजिस्ट्रेट नीमच श्री दिनेश जैन व्दारा राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत अनावेदक शाकीर पिता अख्तसर हुसैन निवासी मोमीन मोहल्ला जावद थाना जावद, श्यामसिह पिता परतेसिह राजपूत निवासी चीताखेडा थाना जीरन, मुकेश पिता रोडीलाल खटीक निवासी सूरज कॉलोनी नयागांव थाना जावद को सदाचार बनाये रखने के लिए 3 माह तक सप्तासह में एक दिन (थाना प्रभारी व्दारा निश्चित दिन) थाना हाजरी का आदेश जारी किया गया है। अनावेदक लाला उर्फ लालचंद पिता दुधमल भोई निवासी भाटखेडी नाका मनासा थाना मनासा, अजय सोनी पिता कैलाश सोनी निवासी चुडीगली नीमच थाना नीमच कंट, प्रसन्ना पिता कन्है यालाल भाटी निवासी भाटखेडी नाका मनासा थाना मनासा, को सदाचार बनाये रखने के लिए 6 माह तक सप्ताह में 2 दिन (थाना प्रभारी व्दारा निश्चित दिन) थाना हाजरी का आदेश जारी किया गया है।

दिव्यांग मतदाताओं को प्राथमिकता से मतदान कराया जावेगा

नीमच, 15 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन, विधानसभा निर्वाचन (स्वीप) नोडल अधिकारी श्री गुरूप्रसाद के निर्देशन में विधानसभा निर्वाचन 2023- के तहत 17 नवम्बर 2023 को प्रात: 07.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक होने वाले मतदान में दिव्यांगजन (झथऊ) एवं वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं को सुगम मतदान अंतर्गत आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाकर शत-प्रतिशत मतदान कराया जाएगा। जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के लिये आवश्यक सुविधा जैसे- व्हील चेयर, रैम्प वाहन व्यवस्था इत्यादि की व्यवस्थाएं करवाई गई हैं। दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं को प्राथमिकता से मतदान कराया जायेगा दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक मतदाता को मतदान हेतु किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होने पर जिला पंचायत नीमच सभाकक्ष में स्थापित दिव्यांग ' मतदान कम्युनिकेशन सेन्टर के श्री विनीत दुबे, सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी, सामा.न्याय विभाग, नीमच मोबा.नं. 9926482548 श्री अब्दुल रशीद शाह, सहायक ग्रेड--03 सामाजिक न्याय विभाग, नीमच मोबा.नं. 9425973995 एवं श्री अभय जैन, सहायक ग्रेड-03. सामाजिक न्याय विभाग, नीमच मोबा.नं. 9424531131 पर संपर्क किया जा सकता हैं।

सांवलिया गौशाला कुचड़ोद में गौ माता को कराया भोजन

मंदसौर, 15 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। श्री सांवरिया गौशाला कुँचडोद मेँ दिवाली के बाद प्रतिपदा को गौ माता का पूजन कर 450 से अधिक गोवंश को भोजन सामग्री का भोग लगाया गया ग्राम वासियों ने अपने घरों में बनाई गई भोजन सामग्री लाकर गौ माता को भोजन कराया पतंजलि योग संगठन जिला अध्यक्ष बंसीलाल टाँक गौशाला समिति कार्यकारी अध्यक्ष दशरथ कुंडेल सचिव दशरथ गोयल सहसचिव कारुराम कुमावत कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण कुंडेल वरिष्ठ सदस्य राधेश्याम मंडोवरा छगन बागड़िया बालू पटेल राधेश्याम कुंडेल लक्ष्मी नारायण प्रजापत कारुराम प्रजापत कन्हैयालाल पालरा पशु चिकित्सक डॉक्टर प्रवीण शर्मा आदि मातृशक्ति सहित ग्रामवासी उपस्थित हुए व आतिशबाजी की गई सभी ने बड़े उल्लास से गौ माता का वंदन कर गौ माता से आशीर्वाद लिया।

मतदान केंद्र पर पहचान के लिए 12 दस्तावेज प्रयोग कर सकते हैं

मंदसौर, 15 नवम्बर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिए हैं कि मतदान केंद्र पर मतदाताओं की पहचान के लिए 12 दस्तावेजों निर्धारित किये गए है। इन 12 दस्तावेजों में से कोई भी एक दस्तावेज़ होने पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। इन दस्तावेजों के अंतर्गत आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट, मनरेगा जॉब कार्ड, सर्विस पहचान पत्र, पासबुक, स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, पेंशन दस्तावेज व सरकारी पहचान पत्र को शामिल किए गए हैं। इनमें से कोई भी एक दस्तावेज़ होने पर आपको अपने मत का प्रयोग करने से कोई भी नहीं रोक सकता है, तो आओ हम सब मिलकर एक मजबूत लोकतंत्र को बनाने के लिए सभी मतदान करें।

डोंगरे नगर स्थित दुकान संचालक की हत्या के प्रयास का फरार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में, पुलिस से बचने के चक्कर में भागते हुए घायल हुआ आरोपी

रतलाम, 15 नवंबर गुरू एक्सप्रेस। दस दिन पूर्व डोंगरे नगर स्थित एक रेस्टोरेन्ट संचालक के साथ मारपीट कर हत्या का प्रयास करने वाले एक फरार आरोपी को औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने धर दबोचा है। पुलिस जब फरार आरोपी को गिरफ्तार करने पंहुची तो आरोपी पुलिस को देखकर भागा लेकिन उबड खाबड रास्ते की वजह से वह गिरा और घायल हो गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विगत 5 नवंबर की रात को डोंगरे नगर स्थित आनन्द श्री रेस्टोरेन्ट के संचालक प्रफुल्ल पंवार, दशरथ पंवार और अनमोल पंवार के साथ आरोपी विकास उर्फ जग्गू और उसके चार साथियों ने सिगरेट के पैसे देने की बात को लेकर पहले गाली गलौज की और फिर लोहे की राड चेन बेल्ट आदि से जमकर मारपीट करते हुए उनकी हत्या का प्रयास किया। इस घटना के बाद सभी घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया और उनकी रिपोर्ट पर विकास उर्फ जग्गू तथा चार साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास मारपीट आदि का आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया था। प्रकरण दर्ज करने के अगले दिन औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने प्रकरण के मुख्य आरोपी विकास उर्फ जग्गू पिता हेमराज मेघवाल 22 नि.साई मन्दिर हिम्मत नगर को गिरफ्तार कर लिया गया था। विकास से की गई पूछताछ और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज से यह पता चला था कि उक्त वारदात में सौरभ पिता विनोद वर्मा 21 नि. बरगुण्डों का

वास भी शामिल था। सौरभ वर्मा घटना के बाद से फरार हो गया था। फरार सौरभ वर्मा को मंगलवार के दिन मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सेजावता बायपास पर स्थित एक होटल के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मुखबिर सूचना के आधार पर जब पुलिस दल फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मौके पर पंहुचा तो पुलिस को देखकर आरोपी भागा। रास्ता उबड खाबड होने की वजह से भागने की कोशिश में वह दो तीन बार गिरा, जिससे उसके हाथ पैरों में काफी चोटें आई। पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार करने के बाद उसका मेडीकल करवाया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी सौरभ आदतन गुण्डा है और उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोप के चार प्रकरणों के अलावा बलवा करने जैसे 15 आपराधिक प्रकरण दर्ज है। फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में निरी. राजेन्द्र वर्मा थाना प्रभारी थाना औ क्षेत्र रतलाम, उप.निरी. जे.आर. जामोद, उप.निरी. केशरसिंह यादव, सहा.उप.निरी. रायसिंह रावत, आर. 512 लाखनसिंह, आर. 787 पंकज बारिया की सराहनीय भूमिका रही है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडि़या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in